ललित चित्रावली



सम्पादक : राम प्रताप द्विवे

55वीं जयन्ती 1977

अमर शहीद

श्री ललित नारायण मिश्र

की स्मृति में !

ललित चित्रावली

सम्पादक

राम प्रताप दुबे

प्रकाशक :
कमलायन प्रकाशन
चाणक्यपुरी
नयी दिल्ली

•

पुस्तक प्राप्ति स्थान :
मारवाड़ी आवास गृह
फ्रेज़र रोड, पटना

ज़ोडियक प्रेस
कश्मीरी गेट
दिल्ली-110006

•

मुद्रक :
ज़ोडियक प्रेस
कश्मीरी गेट
दिल्ली-110006

•

सम्पादक :
रामप्रताप दुबे

सहयोगी :
दया शंकर शुक्ल
(चित्रकार)
शशि भूषण

•

© कापीराइट
सम्पादक के अधीन
1977

•

मुख पृष्ठ :
मैथिल शैली में अंकित
ललित बाबू के एक प्रिय
चित्र के आधार पर

•

मूल्य : 25 रु०
पच्चीस रुपये मात्र

शुभ कामना !



राजभवन, पटना
11 जनवरी, 1977 ।

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि स्व0 श्री ललित नारायण मिश्र की जयन्ती के शुभ अवसर पर दिनांक 24 जनवरी '77 को ''ललित चित्रावली'' नामक पुस्तिका का प्रकाशन होने जा रहा है । यह पुस्तिका ललित बाबू के विभिन्न चित्रों के द्वारा उनके महान जीवन की झांकी प्रस्तुत करने में सफल हुई है ।

मैं पुस्तिका के सम्पादक श्री राम प्रताप दुबे को इस प्रयास के लिए बधाई देता हूं ।

जगन्नाथ कौशल
(जगन्नाथ कौशल)

समर्पण !

शहादत की ये चन्द तस्वीरें
देशवासियों को—
जो पूज्य बापू एवं
आदरणीया इन्दिराजी के मार्गदर्शन द्वारा
दिनोंदिन प्रगति के पथ पर
बढ़ते चले जा रहे हैं।
शहादत की ये चन्द तस्वीरें
अमर शहीद ललित को—
क्योंकि ये हैं
जीती-जागती तस्वीरें—
इन्सानियत की
लोक सेवा की
इबादत की
सियासत की
समर्पण की
ऊंची शख्सियत की.........

सम्पादक—
"ललित चित्रावली"

विनय एवं वक्तव्य

अन्तरात्मा की आवाज और प्रेमियों की प्रेरणा के फलस्वरूप ही "ललित चित्रावली" का सृजन सम्भव हो सका है। मानव हूँ, सीमायें हैं, अतः त्रुटियों के लिये क्षमा प्रार्थी हूँ।

वास्तव में ललित बाबू का पुण्य प्रताप ही आदि से अन्त तक मेरा सम्बल रहा। स्नेहियों की संख्या भी अच्छी खासी रही जिन्होंने कभी भी मुझे प्रोत्साहन प्रदान करने में कोताही नहीं की। अतः ऐसे सभी प्रेमियों, स्नेहियों, समर्थकों, शुभैषियों का अतीव आभारी हूँ। उनके सहज स्नेह-सहयोग के लिये चिरऋणी रहूँगा।

श्रीमती ललित नारायण मिश्र के शुभाशीष एवं बलुआ बाजार के मिश्र परिवार के सहयोग के अतिरिक्त दरभंगा, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, सहरसा, पटना आदि विभिन्न स्थानों के मित्रों से इस कार्य में पर्याप्त सहायता मिली। अतः सभी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ; किन्तु इस सन्दर्भ में कतिपय महानुभावों को यहां स्मरण किये विना भी जी नहीं मान रहा है जैसे दरभंगा के डा० नवाब, सर्वश्री हरिश्चन्द्र झा, केदार ठाकुर, मोती लाल जाजोदिया, ललित नगर (वीरपुर) के श्री दत्ता फोटोग्राफर एवं मुजफ्फरपुर के सरदार अवतारसिंह प्रभृति।

इस पुनीत कार्य में जिससे जो भी बन पड़ा उसने उतना किया। जिनके सहयोग से किसी कारणवश वंचित रहा, वे मुझे कल अवश्य सहयोग देंगे, ऐसी मेरी दृढ़ धारणा है। अतः ऐसे सज्जनों का भी मैं आभार मानता हूँ।

समर्पण की भावना से सेवा करने वाले को एक-न-एक दिन दुनिया पहचान ही लेती है। सेवक की साधना का आधार उसकी उदात्त भावना है जो उसे सफल बनाती है। साधक को कोई-न-कोई प्रकाश पुंज मिल ही जाता है। अतः प्रसन्न हूँ कि "ललित चित्रावली" देर-सबेर में प्रकाशित तो हो गयी। दुःख है कि ललित बाबू की 55वीं जयन्ती के पावन पर्व—2 फरवरी 1977 को यह सम्भव न हो सका। इसके लिये भी मैं ही क्षमा चाहता हूँ।

मारवाड़ी आवास गृह
फ्रेजर रोड
पटना

राम प्रताप दुबे
सम्पादक

स्व० श्री ललित नारायण मिश्र

संक्षिप्त जीवन वृत्त

जन्म : दिनांक 2 फरवरी 1922 माघ शुक्ल बसन्त पंचमी।
स्थान : ग्राम कुमर बाजितपुर (तत्कालीन मुजफ्फरपुर) जिला—वैशाली।
पैतृक स्थान : बलुआ बाजार, सहर्षा।
पितामह : स्व० पं० रमानाथ मिश्र शास्त्री।
पिता : स्व० पं० रविनन्दन मिश्र।
माता : स्व० श्रीमती जमुना देवी।
भाई : सबसे बड़े—स्वयं।
दूसरे—श्री कमल नारायण मिश्र
तीसरे—श्री श्याम नारायण मिश्र
चौथे—श्री मृत्युन्जय नारायण मिश्र
पाँचवें—डा० जगन्नाथ मिश्र मुख्य मंत्री बिहार राज्य।
सन्तान : चार पुत्र एवं दो पुत्री।
पहले—श्री विजय कुमार मिश्र
दूसरे—डा० विनय कुमार मिश्र
तीसरे—श्री संजय मिश्र
चौथे—श्री विकास मिश्र
प्रथम : श्रीमती वीणा झा
द्वितीय : श्रीमती मीरा झा
शिक्षा : प्रारम्भिक : कुमर बाजितपुर
मिडिल : बलुआ बाजार विद्यालय
हाई स्कूल : विलियम हाई स्कूल सुपौल
इन्टर : सी० एम० कालेज, दरभंगा
बी० ए० (आनर्स) : टी० एन० जे० कालेज, भागलपुर
एम० ए० : पटना विश्वविद्यालय।

1937 : सदस्य निर्वाचित : अखिल भारतीय छात्र परिषद्।

1939 : विद्यार्थी सदस्य निर्वाचित : बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी, पटना।

1942 : अगस्त आन्दोलन में छै वर्षों का कठोर कारावास का दण्ड मिला।

1946 : अखिल भारतीय छात्र कांग्रेस अधिवेशन का पटना में आयोजन।

1950 : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य चुने गये जो जीवन के अन्तकाल तक बने रहे।

1952 : दरभंगा-भागलपुर-सहर्षा संसदीय चुनाव क्षेत्र से लोक सभा के सदस्य चुने गये।

1954 : कोशी विभीषिका की ओर देश का ध्यान आकृष्ट किया—कोशी बांध निर्माण के लिए 150 करोड़ की धनराशि की केन्द्र से मंजूरी कराई। 'कोशी मिश्र' के नाम से प्रसिद्ध हुए। भारत सेवक समाज के माध्यम से श्रमदान द्वारा तटबन्ध बनवाया।

1957 : दुबारा सहर्षा संसदीय क्षेत्र से एम० पी० एवं संसदीय सचिव चुने गये।

1960 : श्रम, नियोजन एवं योजना विभाग के उपमंत्री बने।

1962 : लोक सभा चुनाव में पराजित हुए किंतु इसके विरुद्ध चुनाव याचिका में सफल रहे।

1964 : राज्य सभा के सदस्य चुने गये।
कालान्तर में—
श्रम उपमंत्री
नियोजन उपमंत्री
गृह उपमंत्री
वित्त उपमंत्री
रक्षा उत्पादन राज्य मंत्री
तथा
सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सहित राज्य-स्तरीय विदेश व्यापार मंत्री बनाये गये।

1969 : कांग्रेस विभाजन के समय से प्रधान मन्त्री के हाथ मजबूत करने में डटकर लग गये और विशेषतया बिहार में कांग्रेस को सुदृढ़ बनाया।

1972 : कांग्रेस वकिङ्ग कमेटी के निर्विरोध सदस्य एवं दरभंगा से उपचुनाव में लोकसभा-सदस्य चुने गये।

1973 : रेल मंत्री बनाये गये।
जो अन्तिम सांस तक बने रहे
तथा
2 जनवरी 1975 को
समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर की बड़ी लाइन के उद्घाटन समारोह में
जनता को अन्तिम प्रणाम करने के पश्चात्
कुचक्रों के फलस्वरूप—
बम विस्फोट से आहत हो
ललित बाबू अमर शहीद हो गये।
उनकी पचपनवीं जयन्ती के पुण्य अवसर पर हमारी शत शत श्रद्धांजलि!

—सम्पादक



महामानव प्रसन्न मुद्रा में !



प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा माल्यार्पण (1976)



प्रधान मन्त्री द्वारा अभिवादन.



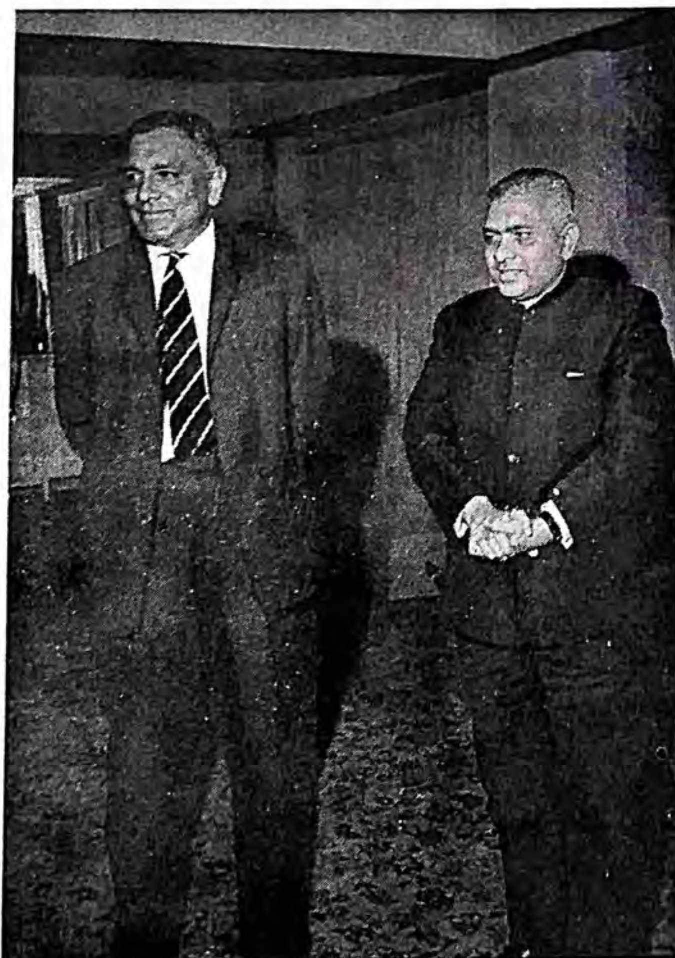
ललित बाबू की समाधि पर माल्यार्पण करते हुये बिहार के राज्यपाल महामहिम श्री जगन्नाथ कौशल अपने ए० डी० सी० श्री रामसिंह सहित ।



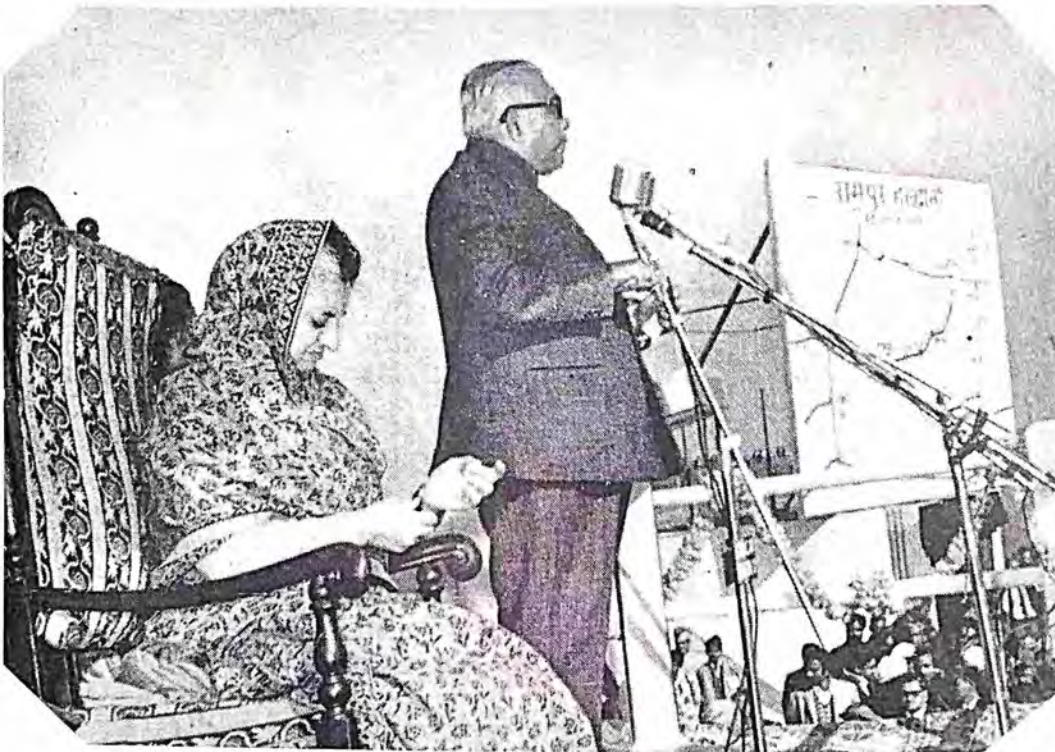
बिहार राज्य के युवक मुख्यमंत्री एवं ललित बाबू के अनुज डा० जगन्नाथ मिश्र माल्यार्पण करते हुये।



सोवियत रूस के प्रधान मंत्री श्री कोसिजिन से हाथ मिलाते हुये विदेश व्यापार मंत्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र।



प्रतिरक्षा उत्पादन मंत्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र एवं जनरल कुमार मंगलम् ।



रामपुर हलद्वानी रेल की बड़ी लाइन का उद्घाटन करती हुयीं प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी। रेल मंत्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र स्वागत भाषण कर रहे हैं।



रेल बजट प्रस्तुत करने के लिए संसद भवन में प्रवेश करते हुये रेल मंत्री ललित बाबू।

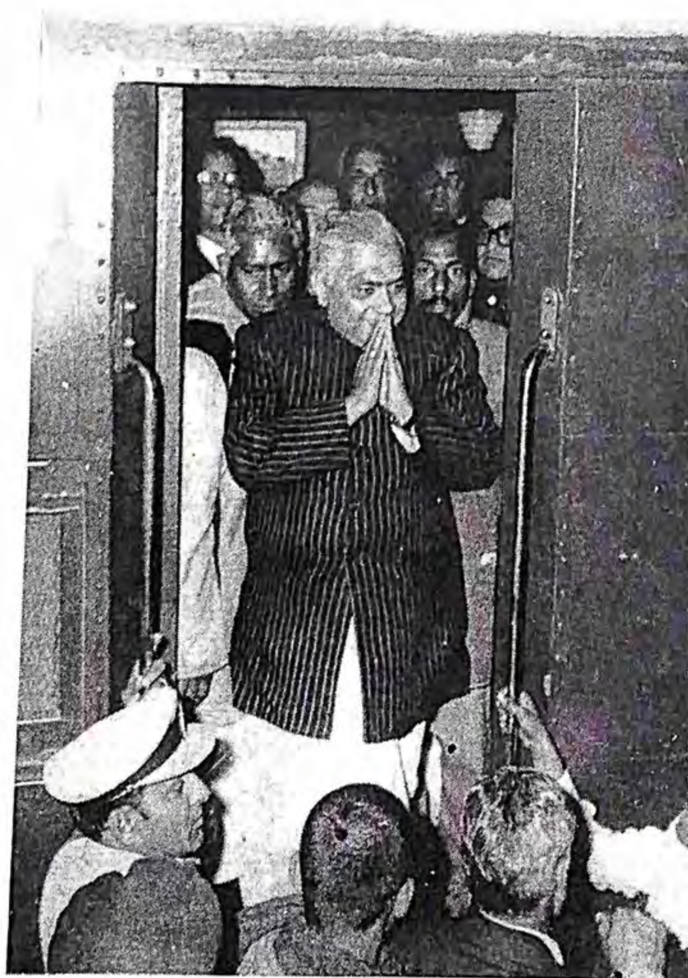
राष्ट्रपति एवं ललित बाबू की अन्तिम भेंट



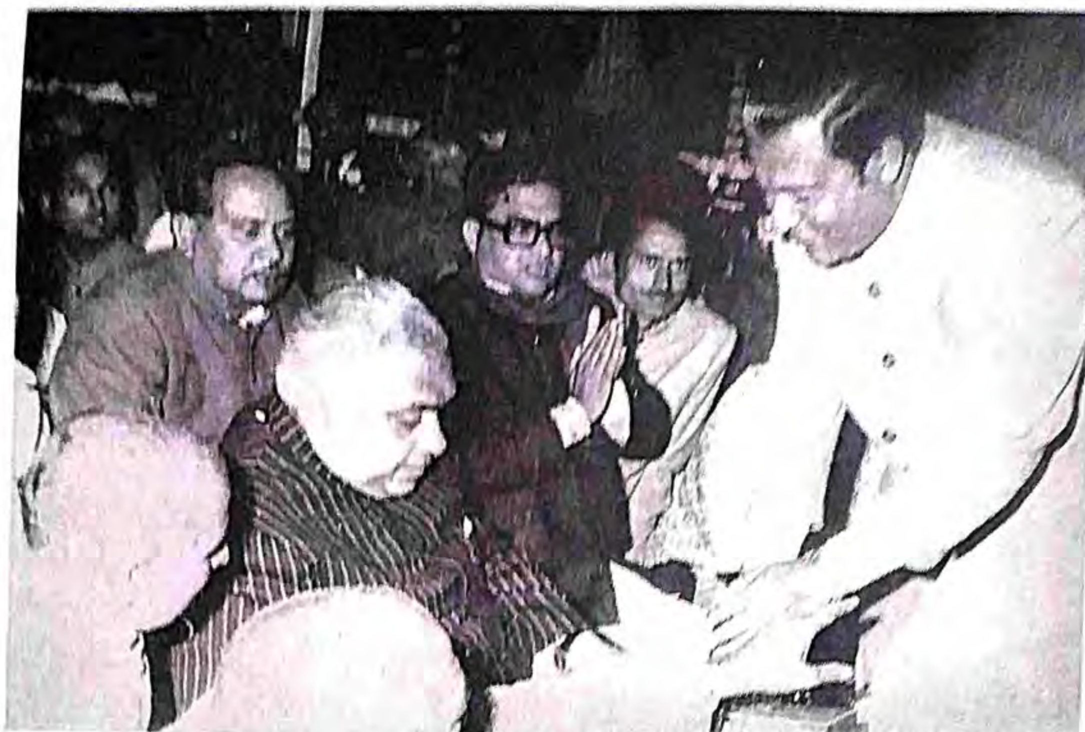
दिसम्बर 1974 बिहार स्टेट इम्पोरियम नयी दिल्ली का राष्ट्रपति द्वारा उद्‌घाटन : आकाश की ओर संकेत करते हुये ललित बाबू राष्ट्रपति से निवेदन कर रहे हैं—"बिहार इतनी तरक्की करे कि एक दिन आसमान छू ले।"



2 जनवरी 1975—
दुर्भाग्यपूर्ण दिवस
ललित बाबू के प्रिय कर्मक्षेत्र दरभंगा के हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करते हुये छात्र युवक कांग्रेस कार्यकर्ता आदि।



समस्तीपुर स्टेशन पर सैलून से निकलते हुये ललित बाबू जिनके ठीक पीछे बायीं तरफ श्री राधानन्दन झा हैं।

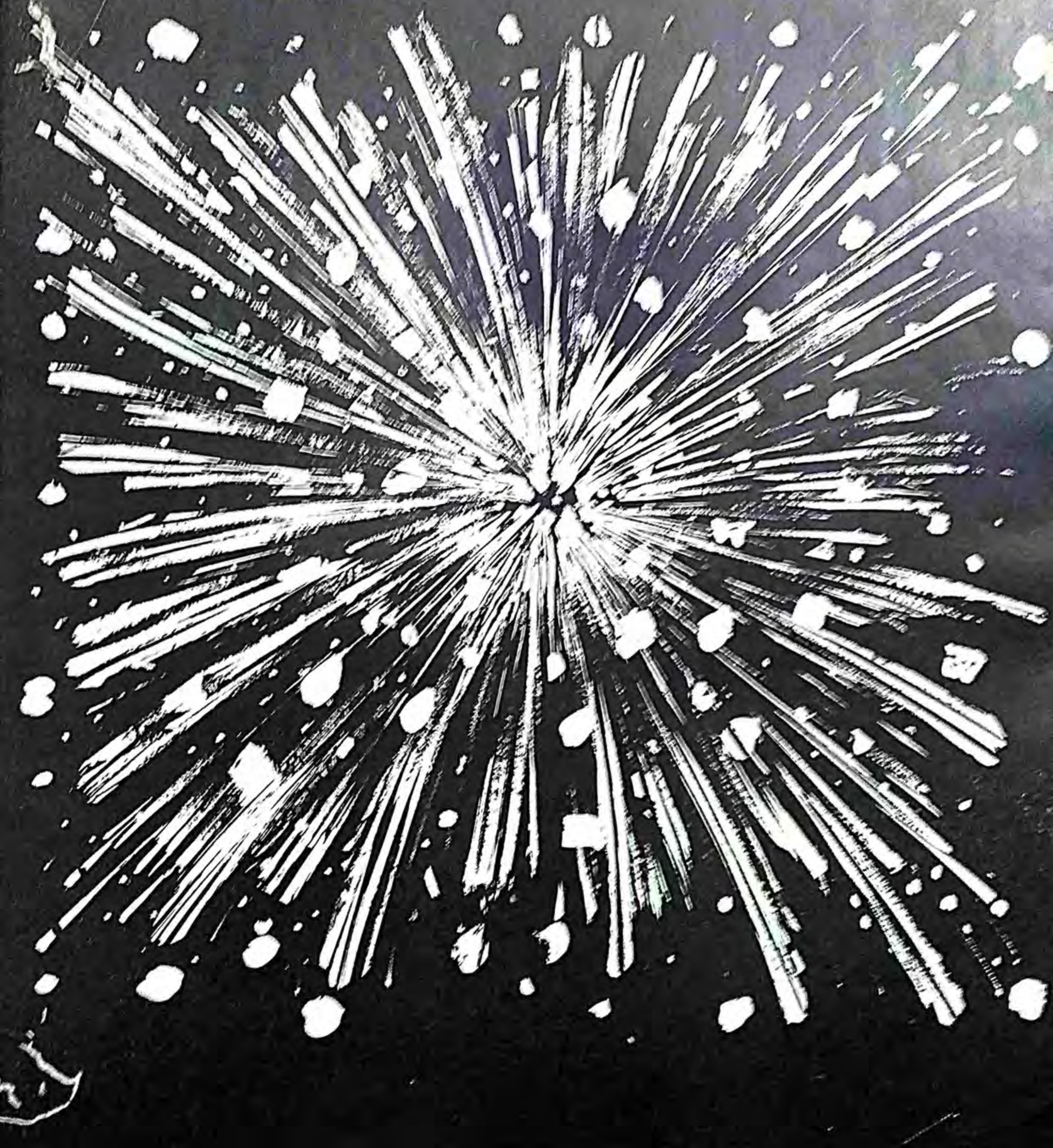


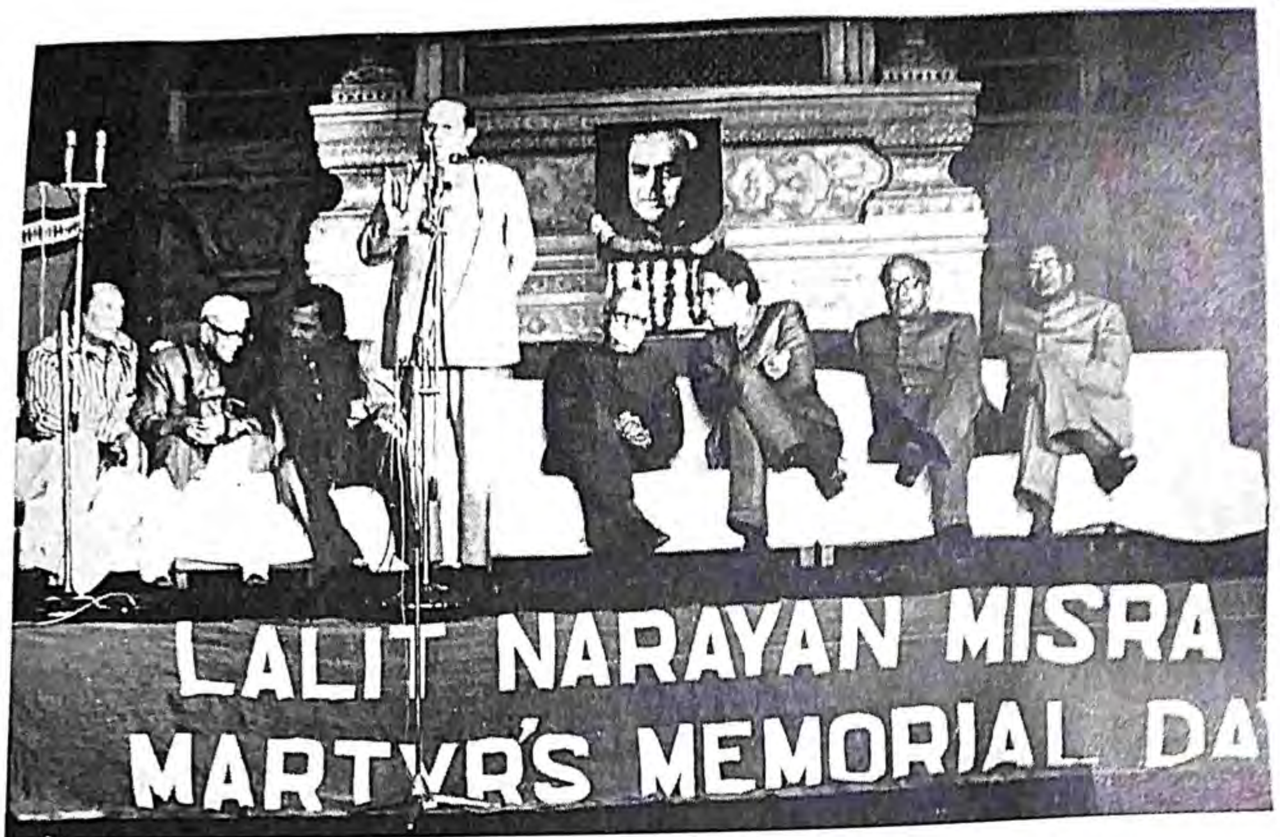
समारोह-मंच पर विराजमान रेलमंत्री स्व० ललित बाबू के दाहिने तरफ उनके अनुज एवं तत्कालीन मंत्री बिहार राज्य डा० जगन्नाथ मिश्र तथा उनके सामने बातें करते हुये समारोह के अध्यक्ष श्री बालेश्वर राम दिखाई दे रहे हैं।



समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर नयी बड़ी लाइन के उद्घाटन अवसर पर ललित बाबू का अन्तिम भाषण एवं अन्तिम प्रणाम !

देश का दुर्भाग्य !

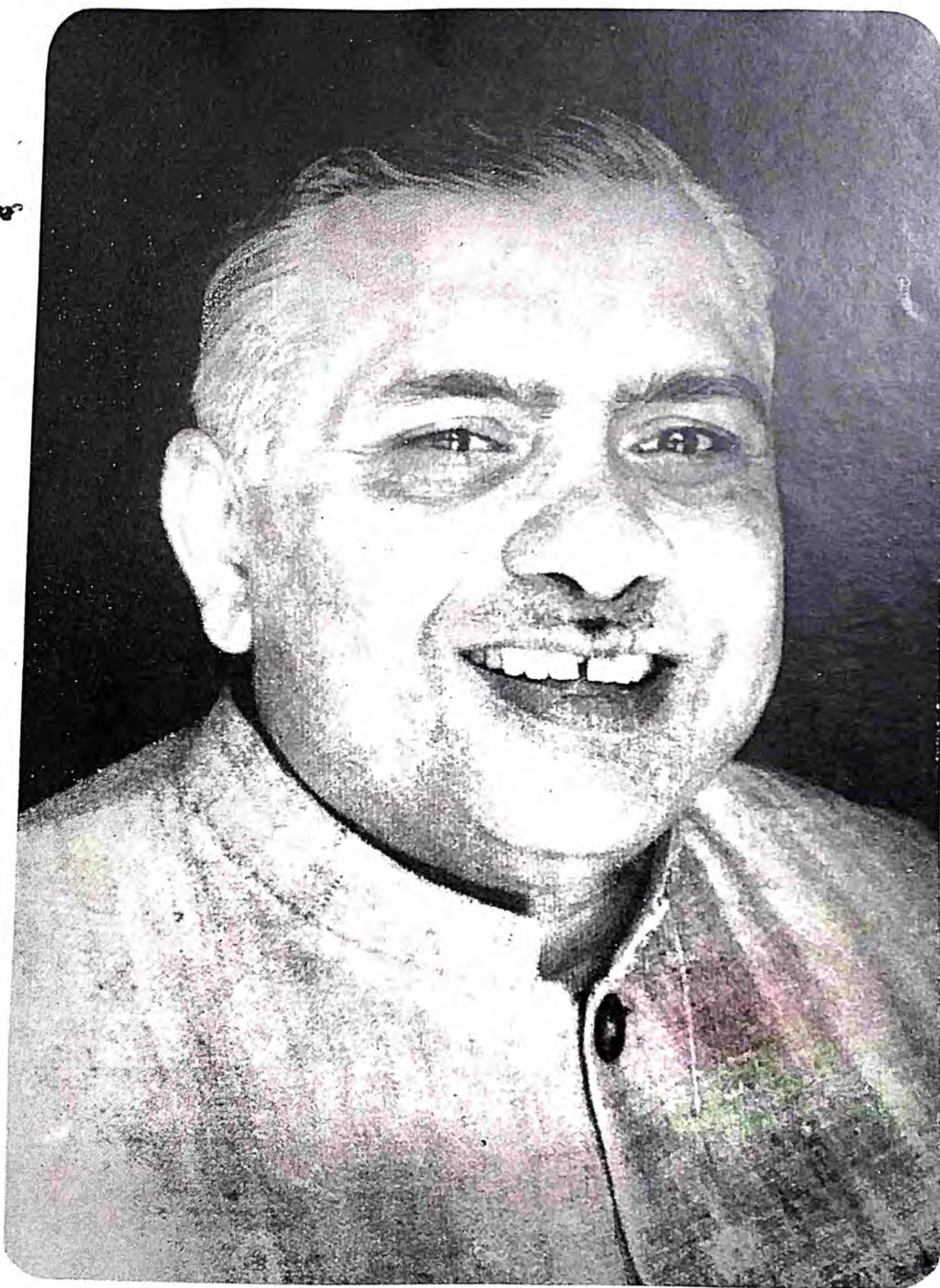




4 जनवरी '77 को लाल किला में आयोजित ललित नारायण मिश्र शहीद स्मृति दिवस : श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवकांत बरूआ अन्य नेतागण—बायें से श्री शशि भूषण एम० पी०, श्री राधारमण मुख्य कार्यकारी पार्षद, कांग्रेस महामंत्री श्री अंतुले जी, केन्द्रीय मंत्री श्री के० डी० मालवीय, सूचना-प्रसारण मंत्री श्री विद्याचरण शुक्ल, उपमंत्री श्री गाडगिल जी, दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष श्री अमरनाथ चावला जी।

●

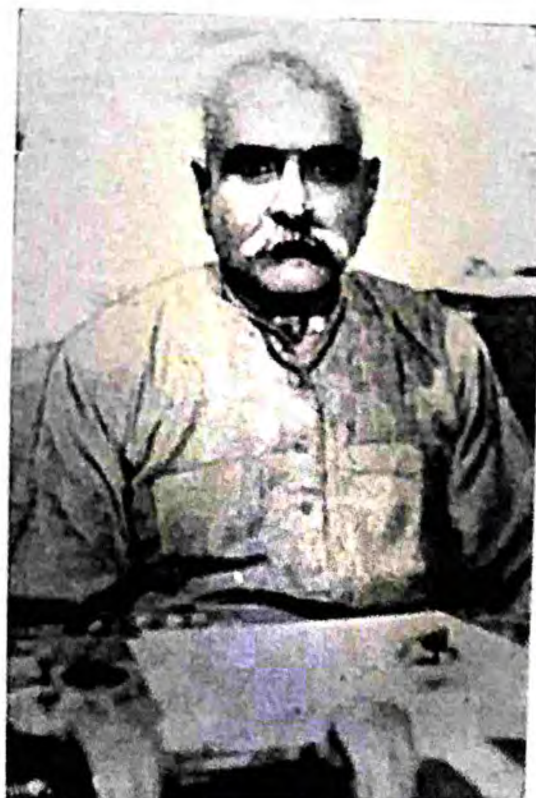
उपरोक्त समारोह में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये केन्द्रीय सूचना-प्रसारण मंत्री श्री विद्याचरण शुक्ल।



अमर शहीद ललित बाबू !
मृत्यु की चुनौती जिन्होंने हंसते हंसते स्वीकार की !

पूज्य पितामह !
स्वनामधन्य स्व० पं० रमानाथ मिश्र शास्त्री (ललित बाबू के पितामह)

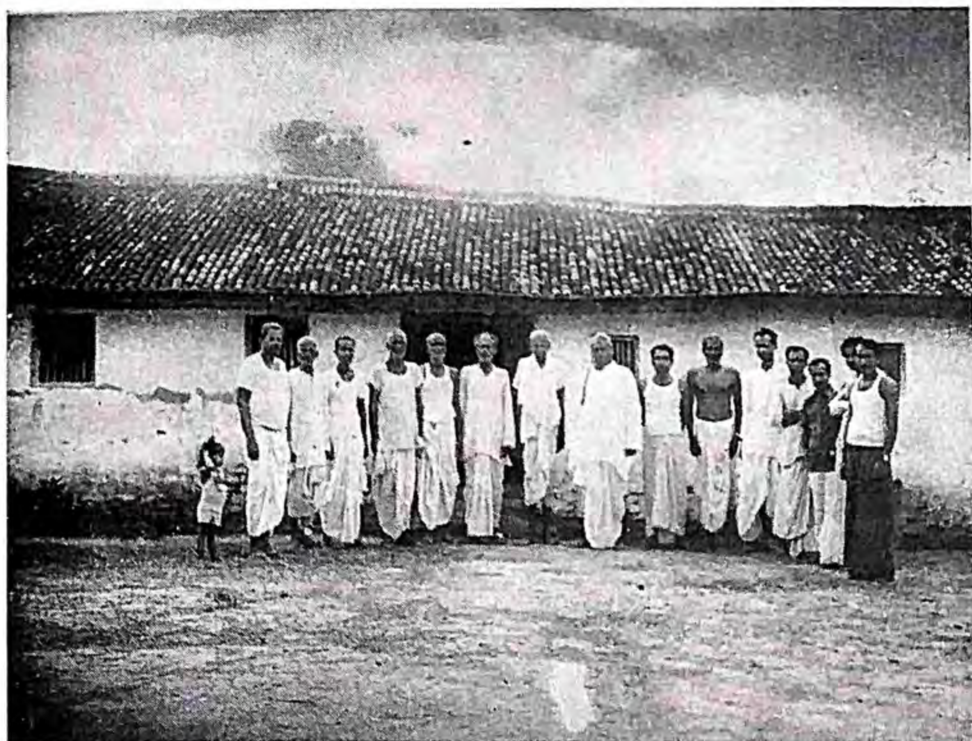




बलुआ बाजार निवासी स्व० पं० रविनन्दन मिश्र (ललित बाबू के पिताजी)



स्व० श्रीमती जमुना देवी
(ललित बाबू की माताजी)



ग्राम कुमर वाजितपुर—
(ललित बाबू का ननिहाल) का वह सौभाग्यशाली गृह जहां ललित जैसे लाल का जन्म हुआ था. उसी के समक्ष सम्पादक जी सहित ललित बाबू के ननिहाल के समस्त सम्बन्धी गण खड़े हैं.



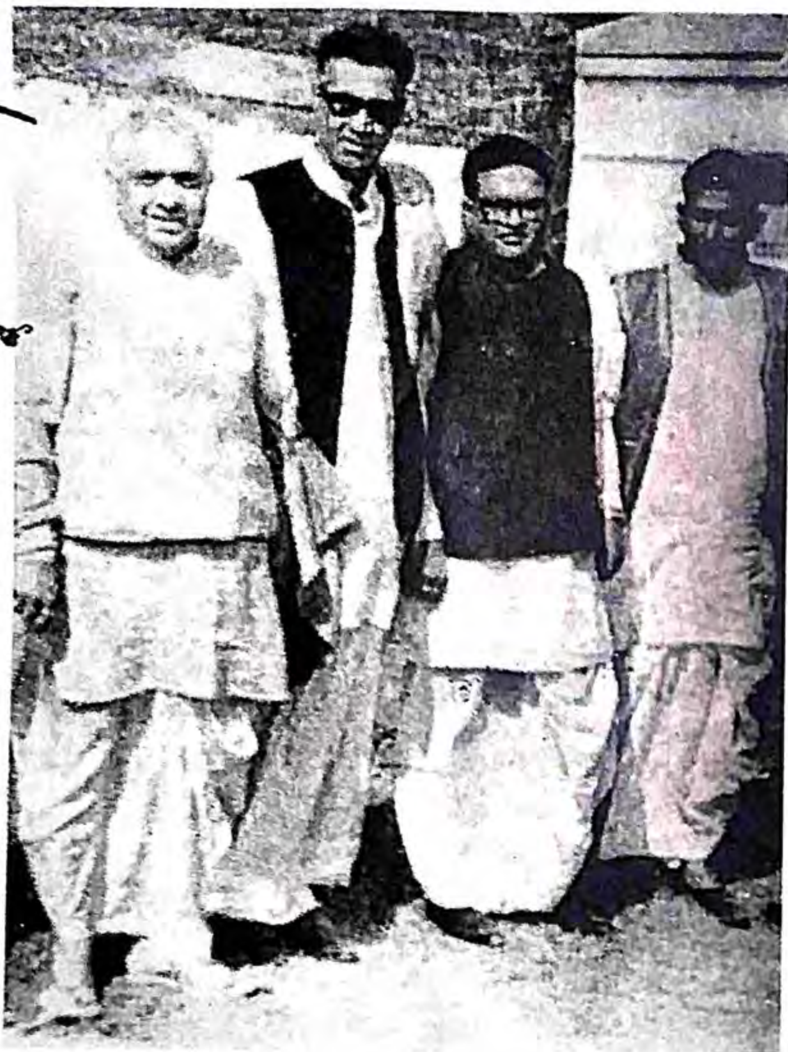
ललित बाबू और श्रीमती मिश्र
अपने ज्येष्ठ पुत्र-वधू के साथ.

ललित बाबू अपनी धर्म पत्नी श्रीमती कामेश्वरी देवी एवं
सब से छोटे पुत्र विकास सहित.



ललित बाबू के साथ (बांयें से प्रथम) संजय मिश्र (तृतीय पुत्र), द्वितीय श्री देवकी नन्दन दीक्षित (विशेष अधिकारी), चौथे श्री योगेन्द्र झा (लाल मामा), पांचवें श्री ओ० पी० गुप्ता.





ललित बाबू के साथ डा० जगन्नाथ मिश्र मुख्य मंत्री बिहार, राजो सिंह एम० एल० ए० एवं उमेश जी.

ललित बाबू अपने विशाल परिवार सहित.





ललित बाबू के द्वितीय पुत्र के विवाह-अवसर का चित्र. ललित बाबू को दिखाते हुये उनके ज्येष्ठ जामाता स्व० श्री चन्द्र शेखर झा किसी वस्तु को इंगित कर रहे हैं.



द्वय समधी मिलन वार्ता—उपरोक्त अवसर पर ललित बाबू मुस्कुराते हुए अपने नये समधी श्री अरुण कुमार चौधरी (वर्तमान : डी० आई० जी० बिहार) से बातें कर रहे हैं.





द्वितीय भ्राता श्री कमलनारायण मिश्र ललित बाबू की प्रतिमा के समक्ष भावविह्वल गम्भीर मुद्रा में निमग्न......

ललित बाबू नववधू ममता को आशीर्वाद दे रहे हैं. बगल में वर डा० विनयकुमार मिश्र. ललित बाबू के दाहिने फील्ड मार्शल मानिक शा एवं बांये प्रसिद्ध अभिनेता श्री सुनीलदत्त.





ललित बाबू एवं उनके तृतीय भ्राता श्री श्याम नारायण मिश्र.

ललित बाबू के चतुर्थ भ्राता श्री मृत्युन्जय नारायण मिश्र.



ललित बाबू के सब से छोटे भाई डा० जगन्नाथ मिश्र की धर्मपत्नी श्रीमती वीणा मिश्र अपनी दो सन्तानों सहित—संगीता एवं संजीव.

अपनी चार सन्तानों सहित—बांयें से अनीता, अनिमेष, ममता एवं मनीष.





छात्र एवं युवा नेता ललित बाबू पटना साइन्स कालेज के मैदान में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुये।



सहरसा में सम्पन्न भारत सेवक समाज की विशेष बैठक : बांये से प्रथम स्वामी हरिनारायणानन्द, द्वितीय स्व० ललित बाबू, तृतीय श्री लहटन चौधरी तथा अन्य महानुभाव दिखायी दे रहे हैं।



कोशी वराज क्षेत्र में आयोजित स्वागत समारोह में स्व० ललित बाबू के बांयें खड़े हैं उनके चचेरे बड़े भाई श्री राजेन्द्र मिश्र तद्कालीन अध्यक्ष, बिहार राज्य कांग्रेस।



कोशी बराज के तटबन्ध निर्माण में श्रमदान करते हुये बिहार राज्य के तत्कालीन मंत्री श्री महेश प्रसाद सिन्हा एवं ललित बाबू.

भारत सेवक समाज द्वारा कानपुर में आयोजित एक सेमिनार के अवसर पर कोशी स्टाल का उद्घाटन करते हुये केन्द्रीय मंत्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र.



उपरोक्त उद्घाटन समारोह के समय स्व० श्री ललित बाबू कोशी स्टाल का अवलोकन कर रहे हैं.





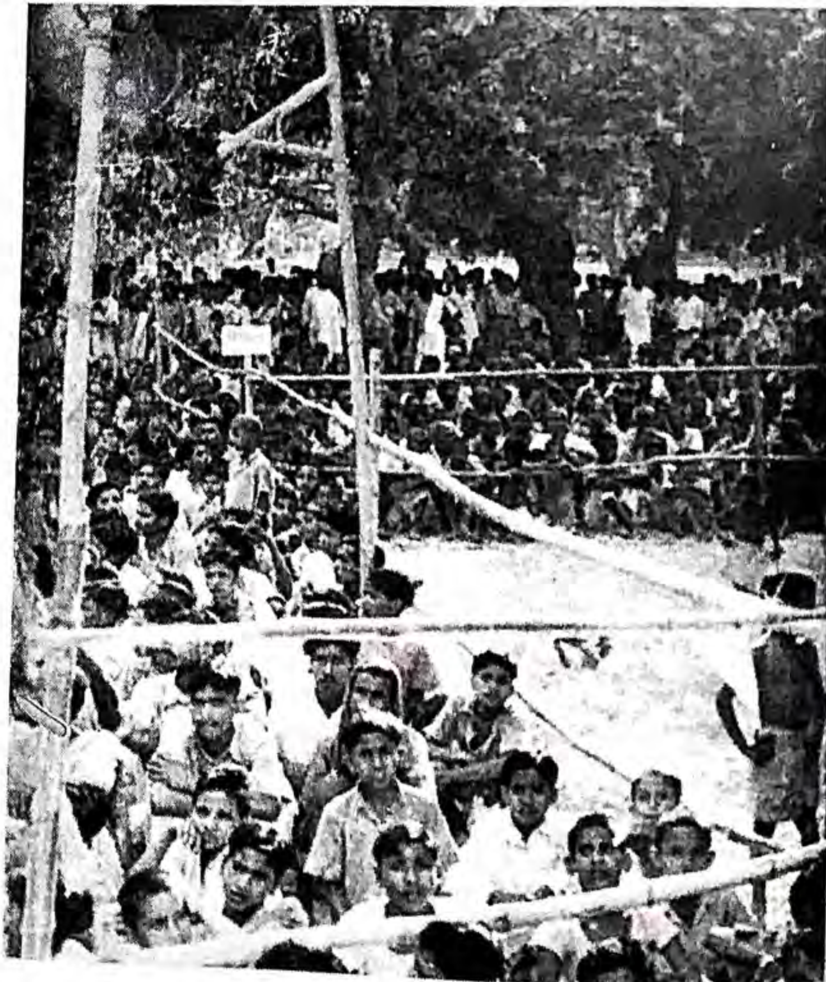
दिनांक 17 मार्च 1955. राष्ट्रपति डा० राजेन्द्र प्रसाद का कोशी योजना निर्माण स्थल पर प्रथम शुभागमन. साथ में बांयें से ललित बाबू, केन्द्रीय मन्त्री श्री गुलजारीलाल नन्दा, सुप्रसिद्ध अभियन्ता श्री कंवर सेन. स्थान-भुपौल स्थित पूर्वी तट बांध कोशी योजना.



उपरोक्त शुभागमन के अवसर का एक अन्य दृश्य : राष्ट्रपति तट बांध का निरीक्षण करते हुये.



तद्कालीन मुख्य मंत्री डा० श्रीकृष्ण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह जिसमें सर्वश्रेष्ठ श्रमदान करने वाले को पुरस्कृत किया गया : ललित बाबू भाषण करते हुये।



उपरोक्त पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मिलित अपार जन समूह का दृश्य, जिसे ललित बाबू सम्बोधित कर रहे हैं।



भारत सेवक समाज के कार्यकर्त्ताओं के साथ ललित बाबू (एकदम दायीं ओर)



विगत 1958 में बीरपुर हवाई अड्डे पर केन्द्रीय मंत्री श्री जे० एल० हाथी (वर्तमान राज्यपाल, हरियाणा राज्य) का स्वागत करते हुये स्व० श्री ललित नारायण मिश्र। बगल में खड़े हैं श्री राजेन्द्र मिश्र, अध्यक्ष बिहार प्रदेश कांग्रेस।



दिनांक 30 अप्रैल, 1959. वीरपुर में भारत सेवक समाज द्वारा आयोजित समारोह में मंच पर विराजमान बांयीं ओर भारत के प्रथम प्रधान मन्त्री स्व० पं० जवाहरलाल नेहरू. ठीक सामने ललित बाबू.



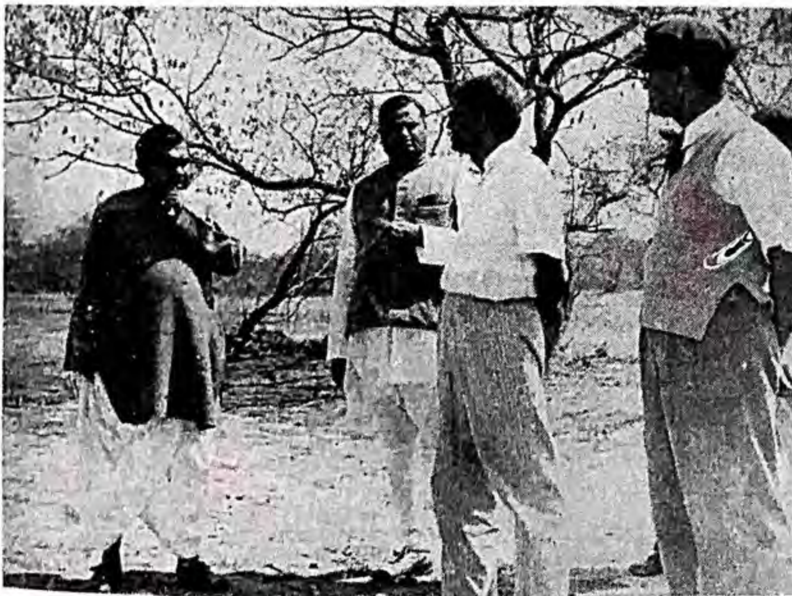
गत 1965 में केन्द्रीय सूचना प्रसारण मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी का शुभागमन वीरपुर में कोशी योजना अवलोकनार्थ. कार की बांयीं ओर ललित बाबू एवं दाहिनी ओर श्रीमती इन्दिरा गांधी.



हाथी जी एवं ललित बाबू के अतिरिक्त श्री के०एल० राव महोदय तथा तद्कालीन कार्य पालक अभियन्ता (वर्तमान मुख्य अभियन्ता). श्री एस० प्रसाद.

दिनांक 6 फरवरी 1955 "कोशीमिश्र" के नाम से सुविख्यात ललित बाबू अवलोकन कराते हुये केन्द्रीय उपमंत्री श्री जे० एल० हाथी को—कोशी योजना अन्तंगत भुतहा नामक स्थान पर सुरक्षात्मक तटबांध-निर्माण योजना.





ललित बाबू एवं केन्द्रीय उपमंत्री महोदय कोशी योजना के सम्बंध में अभियन्ता श्री पी० आर० गुहा से विचार-विमर्श करते हुये.



बिहार राज्य के श्रीकृष्ण सिंह मंत्रि मंडल के वरिष्ठ मंत्री श्री महेश प्रसाद सिन्हा ललित बाबू एवं मुख्य प्रशासक श्री टी० पी० सिंह सहित निरीक्षण कर रहे हैं तटबांध निर्माण में हो रहा श्रमदान-कार्य ।



जन सहयोग एवं स्वेच्छया श्रमदान द्वारा कोशी योजना से सम्बंधित तट-बांध निर्माण में रत नर-नारियों का समूह ।

भारत सेवक समाज के माध्यम से इस अभियान को कुशल नेतृत्व प्रदान कर ललित बाबू ने कोशी योजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की ।

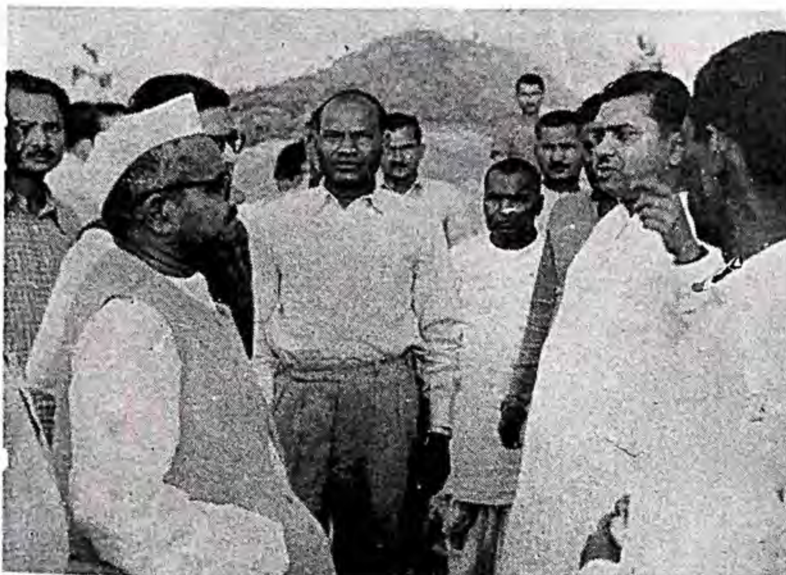




कोशी योजना के प्रमुख प्रशासक श्री टी०पी० सिंह का दरभंगा में सार्वजनिक स्वागत समारोह का दृश्य : बगल में खड़े हैं ललित बाबू ।



उपरोक्त समारोह में श्रोताओं एवं स्वागत कर्ताओं को सम्बोधित करते हुये ललित बाबू ।

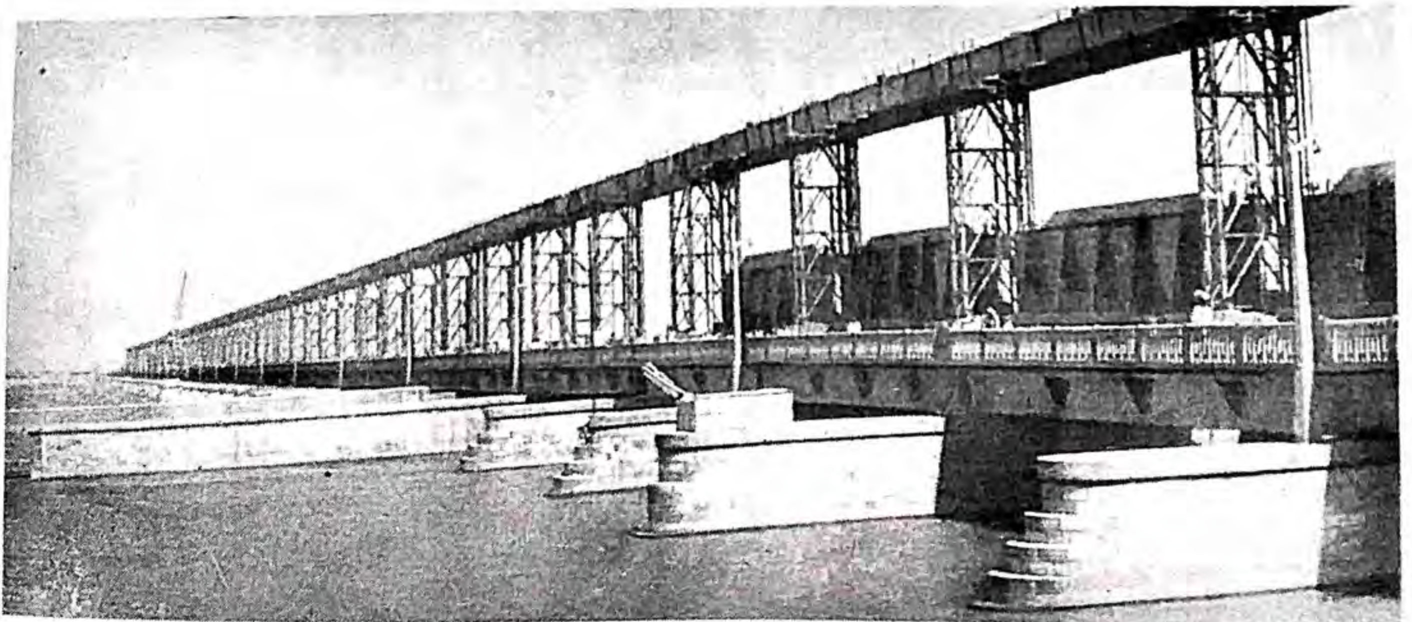


राष्ट्रवाणी के सम्पादक दिवंगत श्री देवव्रत शास्त्री तथा अन्य पत्रकारों के समक्ष ललित बाबू कोशी योजना अन्तर्गत हो रहे श्रमदान कार्यों की प्रगति पर प्रकाश डाल रहे हैं ।



विराट कोशीबराज का उद्घाटन समारोह : मंच पर विराजमान तद्कालीन प्रधान मन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री एवं नेपाल नरेश श्री 5 महाराजाधिराज श्री महेन्द्र वीर विक्रम जिनके कर कमलों द्वारा उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ.

विराट कोशी बराज का सम्पूर्ण भव्य दृश्य.





केन्द्रीय सरकार में ललित बाबू प्रथम बार संसदीय सचिव नियुक्त हुये और पद की शपथ पं० नेहरू ने दिलाई.

रूस के प्रतिरक्षा मन्त्री से हाथ मिलाते हुये रक्षा उत्पादन मन्त्री ललित बाबू (मध्य में) रक्षा मन्त्री सरदार स्वर्ण सिंह.



प्रतिरक्षा उत्पादन मंत्री श्री ललित नारायण मिश्र (बांयें से तीसरे), रक्षा मन्त्री सरदार स्वर्ण सिंह (बांयें से पांचवें), तीनों सेनाओं के सेनापतियों तथा रक्षा मंत्रालय के उच्च अधिकारियों के साथ.





श्री ललित नारायण मिश्र तत्कालीन ब्रिटिश प्रधान मन्त्री श्री हीथ से हाथ मिलाते हुये।

सोवियत रूस के विदेश व्यापार मन्त्री श्री पैटोलिचेव के साथ विदेश व्यापार मन्त्री श्री ललित नारायण मिश्र।







↑
जर्मनी (जी० डी० आर०) के विदेश मन्त्री तथा भारत के विदेश व्यापार मन्त्री श्री ललित नारायण मिश्र के बीच सौहार्द्र-पूर्ण वार्तालाप। अन्य उपस्थित लोगों में हैं तद्कालीन उपमन्त्री विदेश व्यापार श्री राम सेवक चौधरी (ललित बाबू से दाहिने चौथे)



जापान के विदेश व्यापार मंत्री ललित बाबू से विचार विनिमय कर रहे हैं।

जर्मनी के राष्ट्रपति श्री कार्ई यूवान से हाथ मिलाते हुये केन्द्रीय मन्त्री ललित बाबू।



जेकोस्लोवाकिया के विदेश व्यापार मन्त्री से वार्तालाप करते हुये ललित बाबू।





युगोस्लोविया के विदेश व्यापार मन्त्री से हाथ मिलाते हुये ललित बाबू।



रूमानिया के विदेश व्यापार विभाग के प्रथम उपमन्त्री से बातें करते हुए ललित बाबू।



कामराज जी एवं ललित बाबू.
पालम हवाई अड्डे पर भूतपूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भारत रत्न स्व० श्री कामराज नाडार से बातें करते हुये केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री ललित नारायण मिश्र.



मन्त्री पद की शपथ लेने के समय हस्ताक्षर करते हुये ललित बाबू.



रूस यात्रा के समय हवाई अड्डे पर ललित बाबू को विदाई देने के लिये उपस्थित उनकी धर्मपत्नी, उनका पुत्र विकास आदि.



विदेश यात्रा पर जाने के समय पालम हवाई अड्डे पर उपस्थित ललित बाबू एवं उनके विभागीय अधिकारीगण तथा निजी स्टाफ आदि.



राष्ट्रमण्डलीय व्यापार सम्मेलन (UNCTAD) का एक दृश्य. दाहिने से दूसरे चिली के राष्ट्रपति स्व० श्री एलेन्द्रे, तीसरे संयुक्त राष्ट्र संघ के महामन्त्री श्री वाल्डेन, छठे स्व० श्री ललित नारायण (अध्यक्ष-सम्मेलन) 1970.



विदेश व्यापार मन्त्री ललित बाबू एवं नेपाल नरेश श्री महाराज वीरेन्द्र वीर विक्रम जी विचार विमर्श में निमग्न।



दिनांक 11 जून '71 को विदेश-व्यापार मन्त्री श्री ललित नारायण मिश्र नयी दिल्ली में महाराजा नेपाल से साक्षात्कार कर रहे हैं।



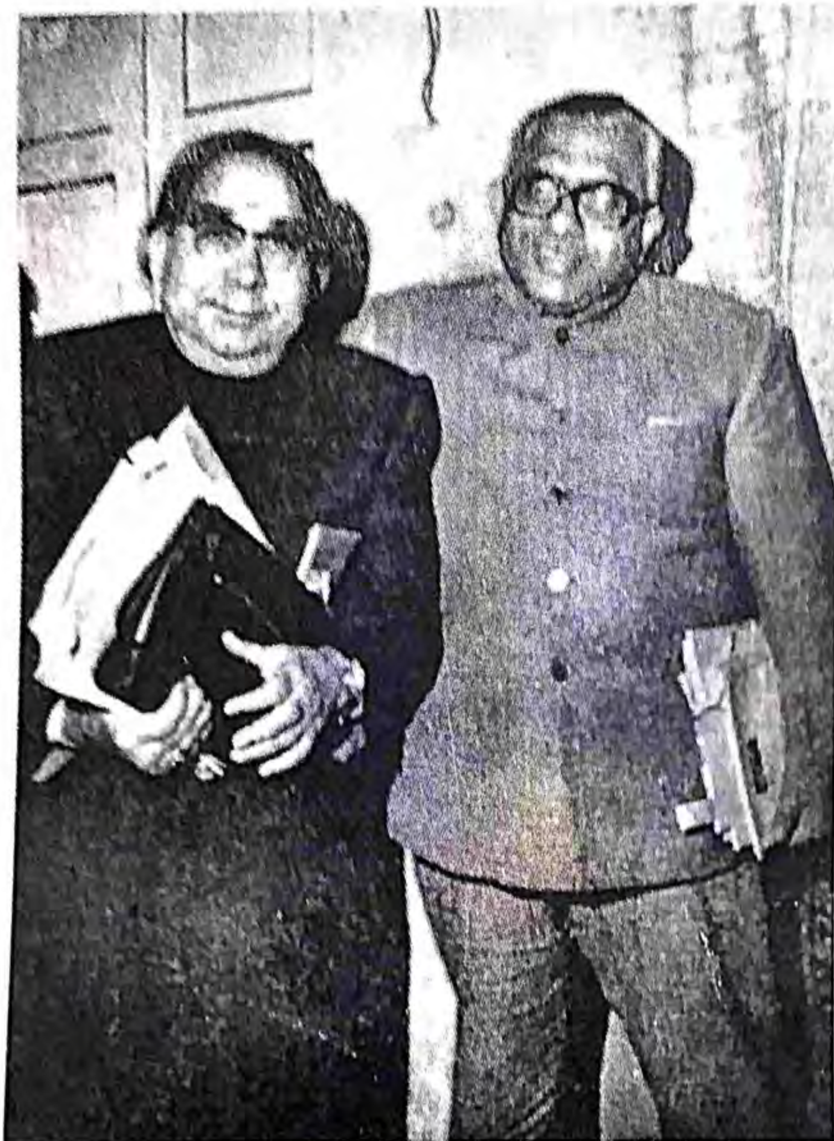
भारत नेपाल व्यापार समझौता को अन्तिम रूप प्रदान करने हेतु नेपाल गये हुये विदेश व्यापार मन्त्री ललित बाबू का काठमान्डू हवाई अड्डे पर हार्दिक स्वागत का दृश्य।



विधान नगर कांग्रेस अधिवेशन में प्रधान मन्त्री एवं कांग्रेस अध्यक्ष के साथ जाते हुये ललित बाबू. सर्व प्रथम इसी अधिवेशन में ललित बाबू कांग्रेस वर्किंग कमेटी के निर्विरोध सदस्य चुने गये थे.

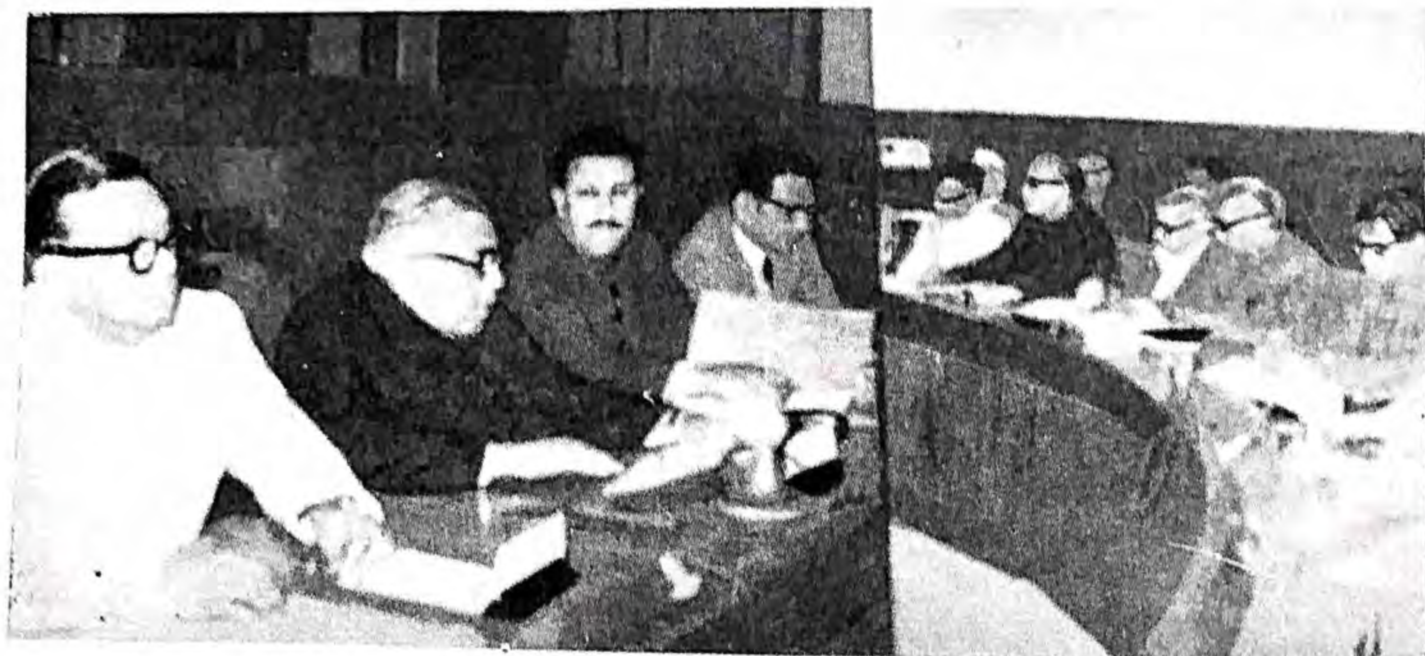


विदेश व्यापार मन्त्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र परामर्श करते हुये—बाँयें से श्री प्रकाशचन्द्र सेठी मुख्य मंत्री मध्य प्रदेश, पं० कमलापति त्रिपाठी, मुख्य मंत्री उ० प्रदेश, श्री सिद्धार्थ शंकर राय मुख्य मंत्री प० बंगाल, श्री वी० पी० नायक मुख्य मंत्री महाराष्ट्र, श्री बरकत उल्ला खां, मुख्य मंत्री राजस्थान.



रेल मंत्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र केन्द्रीय मन्त्री श्री कमलापति त्रिपाठी के साथ.

रेल हड़ताल का समझौता कराने के लिए आयोजित कान्फरेन्स का एक दृश्य. हड़ताली नेताओं से बातें करते हुये ललित बाबू (बांयीं ओर से दूसरे) उनकी बांयीं ओर श्रम मंत्री श्री रघुनाथ रेड्डी और दांयीं ओर श्री मोहम्मद शफी कुरेशी तथा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री म० ना० बेरी.
↓





मित्र-द्वय केन्द्रीय मन्त्री स्व० ललित बाबू एवं तत्कालीन मुख्य मन्त्री हरियाणा राज्य श्री बंसीलाल (वर्तमान रक्षा मन्त्री).



ललित बाबू के दो निर्भीक नवयुवक अनुयायी : दाहिने श्री वीरेन्द्र कुमार पाण्डे एम०एल०ए० (बिहार), बांयें श्री हेमन्त कुमार झा एम० एल० ए०. भूतपूर्व मन्त्री, बिहार राज्य.



ललित बाबू फील्ड मार्शल श्री मानिक शा के साथ.



ललित बाबू सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री सुनील दत्त के साथ.



ललित बाबू द्वारा रेल मंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह का एक दृश्य. प्रधान मन्त्री तथा कई अन्य केन्द्रीय मन्त्रियों की उपस्थिति में राष्ट्रपति श्री गिरि ललित बाबू को शपथ दिला रहे हैं.



रेल बजट प्रस्तुत करने की तैयारी में ध्यान मग्न रेल मंत्री स्व० ललित नारायण मिश्र.



वाराणसी स्टेशन भवन के निर्माण कार्य का शुभारम्भ करने के अवसर पर प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ललित बाबू (तद्कालीन रेल मंत्री), को कुछ समझाती हुईं.



पिंजौरी गार्डन में ललित बाबू अपनी धर्मपत्नी सहित. बगल में चौ० बंसीलाल तत्कालीन मुख्य मंत्री हरियाणा तथा अन्य मंत्रियों सहित. वर्तमान हरियाणा राज्य के मुख्य मंत्री श्री बनारसी दास गुप्त (तीसरी पंक्ति में दाहिने से प्रथम).



पिंजौरी गार्डन का एक अन्य चित्र जिसमें ललित बाबू, उनकी पत्नी, चौ० बंसीलाल, अन्य मंत्री गण के अतिरिक्त उनके निजी स्टाफ के श्री बी० पी० गुप्ता, श्री नागर मल आदि.



दो प्रेमियों के रूप में—ललित बाबू एवं श्री विद्याकर कवि, मन्त्री, बिहार राज्य.



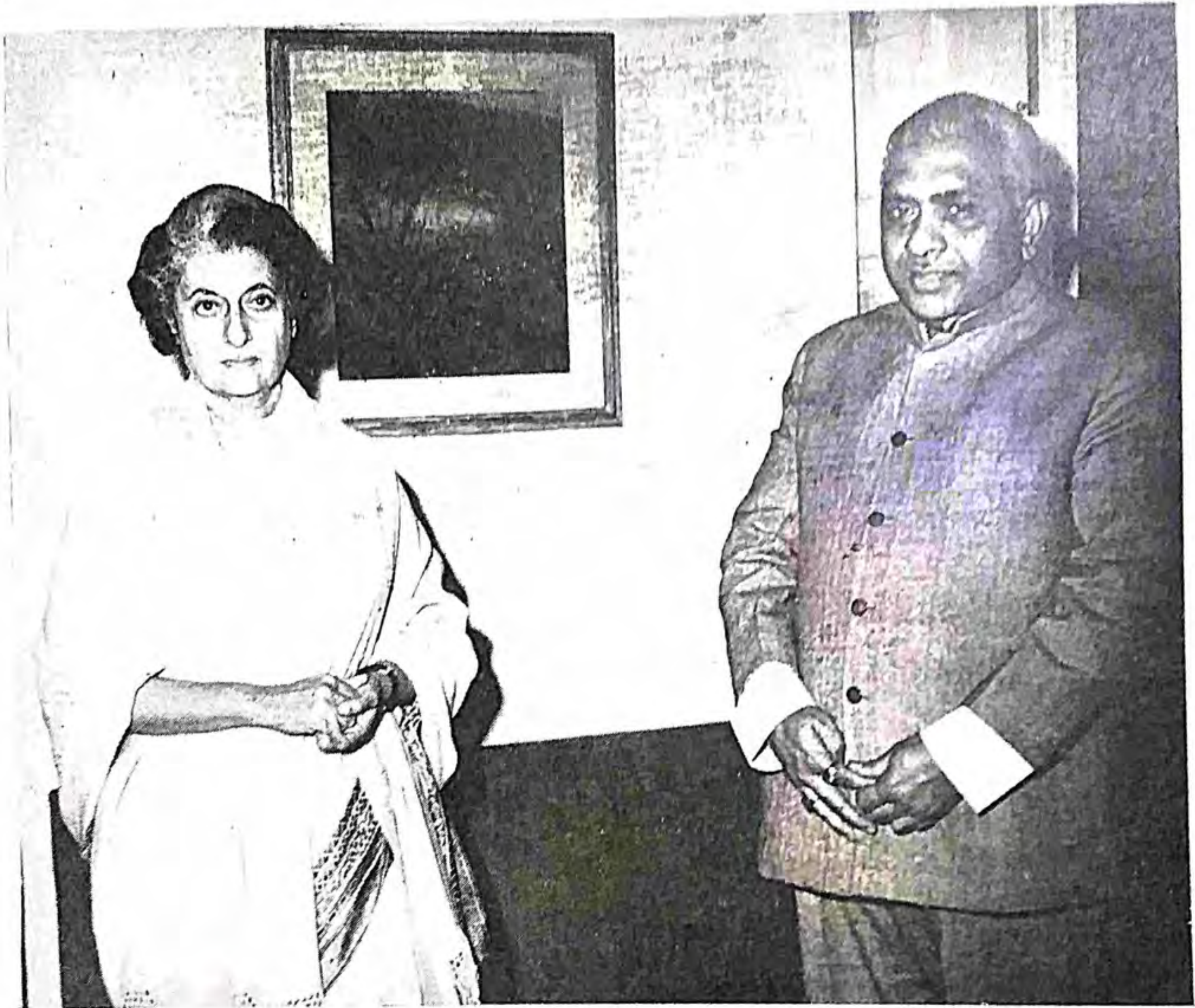
श्री बलिराम भगत, स्पीकर, लोक सभा.

ललित बाबू के सहपाठी श्री बलिराम भगत का छात्रकालीन जीवन का एक चित्र जिसे ललित बाबू ने स्वयं खींचा था.



ललित बाबू द्वारा खींचा गया एक अन्य चित्र—शिकार खेलने आये हुए नवाब बखतियारपुर के सम्मान में दी गयी पार्टी का एक दृश्य, जिसमें श्री राजेन्द्र मिश्र बीच में बैठे दिखायी दे रहे हैं.





अपने आदरणीय नेता श्रीमती इन्दिरा गांधी के साथ स्व० ललित नारायण मिश्र.

2 अक्तूबर 1965 : (दाहिने से) तद्कालीन प्रधान मन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री, स्व० श्री ललित नारायण मिश्र एवं श्रीमती ललिता शास्त्री.



माइक्रास्कोप असेम्बली सेक्शन में रक्षा उत्पादन मन्त्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र.

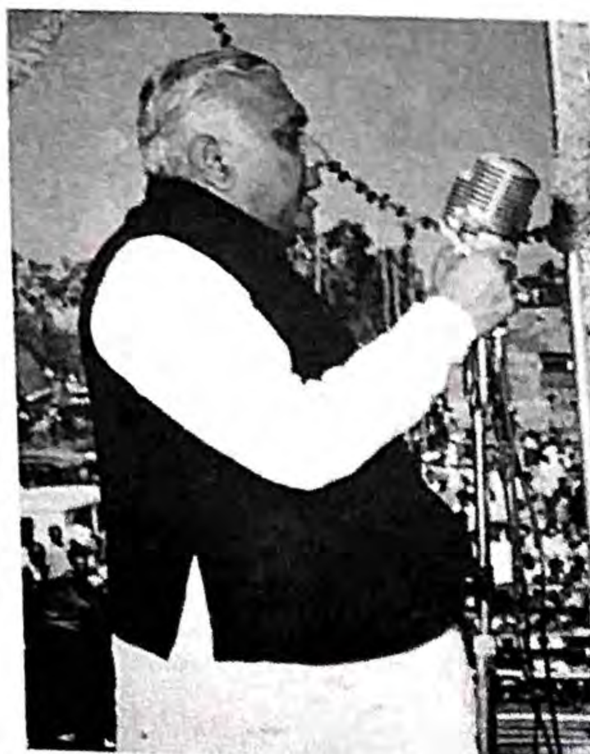


जानकी एक्सप्रेस का उद्‌घाटन करते हुए रेल मन्त्री ललित बाबू.

प्रताप गंज-फारबिस गंज रेल लाइन के पुनर्स्थापना का शुभारम्भ करते हुये ललित बाबू.



सकरी-हसनपुर रोड रेल लाइन के शुभारम्भ के अवसर पर भाषण देते हुये रेल मन्त्री ललित बाबू.



बालकों, युवकों एवं सम्बंधियों के साथ सहभोज में ललित बाबू : परम्परा के अनुसार फर्श पर बैठकर पत्तल में भोजन करते हुये.



अपनी माता का श्राद्ध करते हुये ललित बाबू.

अपनी माता के श्राद्ध कर्म में रत स्व० श्री ललित नारायण मिश्र.





कुष्ठ सेवा आश्रम वाराणसी के सुविख्यात सिद्ध श्री भगवान राम : ललित बाबू आपके प्रति आजीवन भक्त रहे.



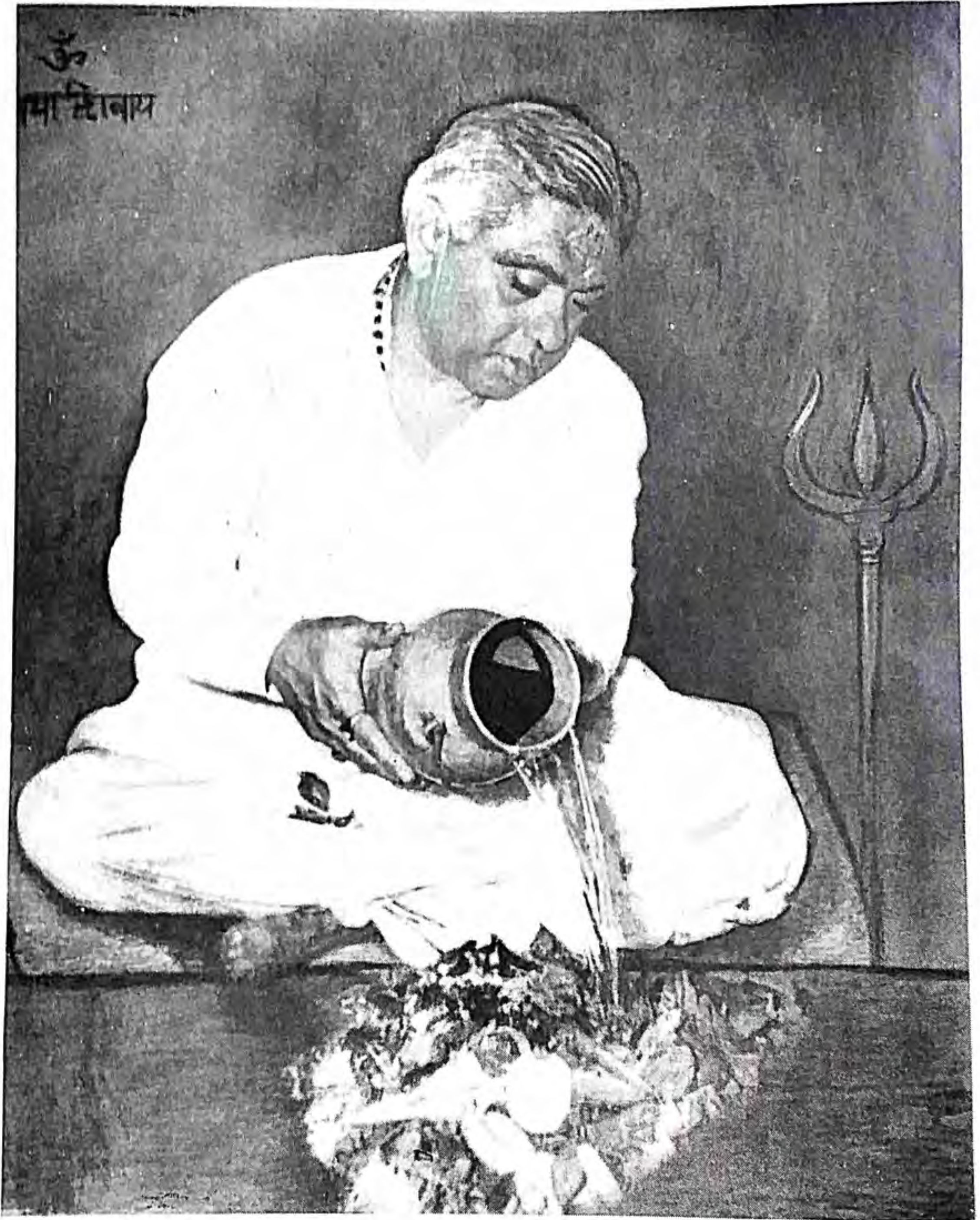
कोशी बराज के नेपाल क्षेत्र में स्थित भारदा नामक स्थान के एक सुप्रसिद्ध मन्दिर में प्रतिष्ठित "मां कंकालिनी" की मूर्ति : यहां जगदम्बा के दर्शनार्थ ललित बाबू प्रायः आते रहते थे तथा इस मन्दिर के पुनर्निर्माण में अत्यधिक योगदान किया. →

संन्यासी के सम्मान में सादर संलग्न पति-पत्नी श्री एवं श्रीमती ललित नारायण मिश्र.



नेपाल के एक मन्दिर में ललित बाबू पूजा करते हुए.





शिव भक्त ललित बाबू ! सुप्रसिद्ध बासुकिनाथ मन्दिर में शिवलिंग पर
जल चढ़ाते हुये साधक एवं सन्त ललित बाबू.

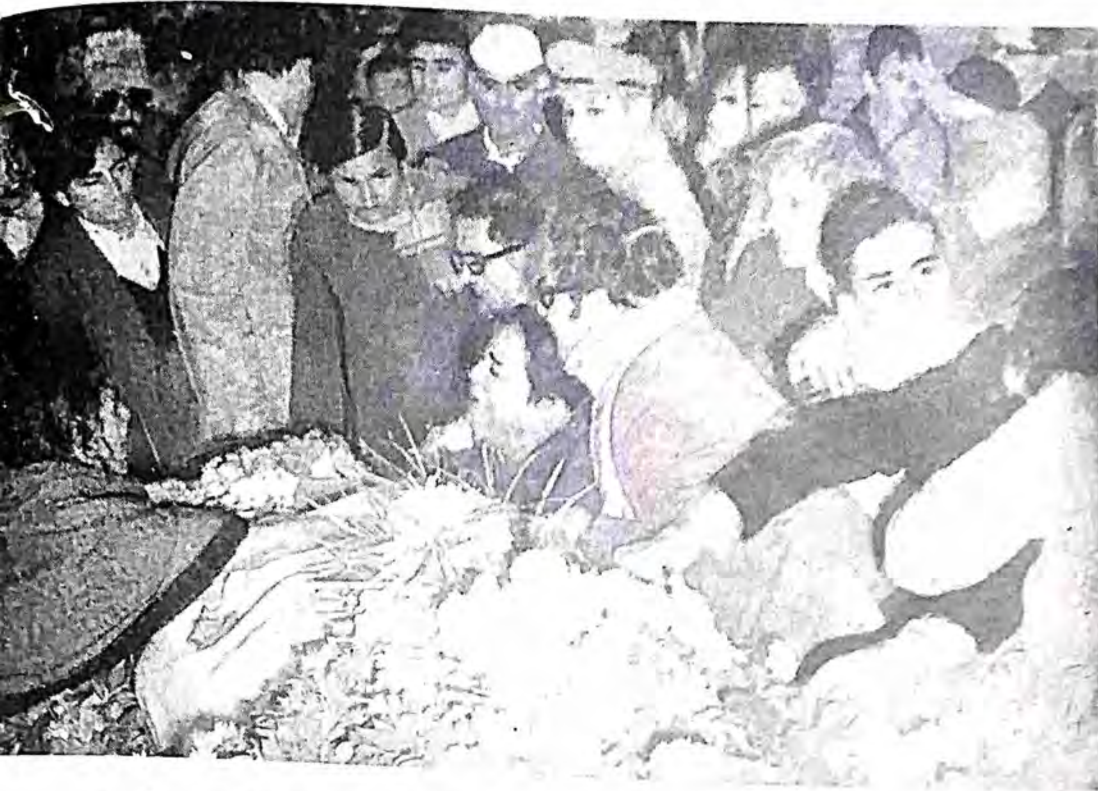


न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः ।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥
(श्री मद्भगवत गीता 2-20)



ललित बाबू के पार्थिव
शरीर का अन्तिम दर्शन.

पटना स्टेशन पर सैनिक ललित बाबू के शव को कन्धा लगाये हुये : अपार जन समूह.



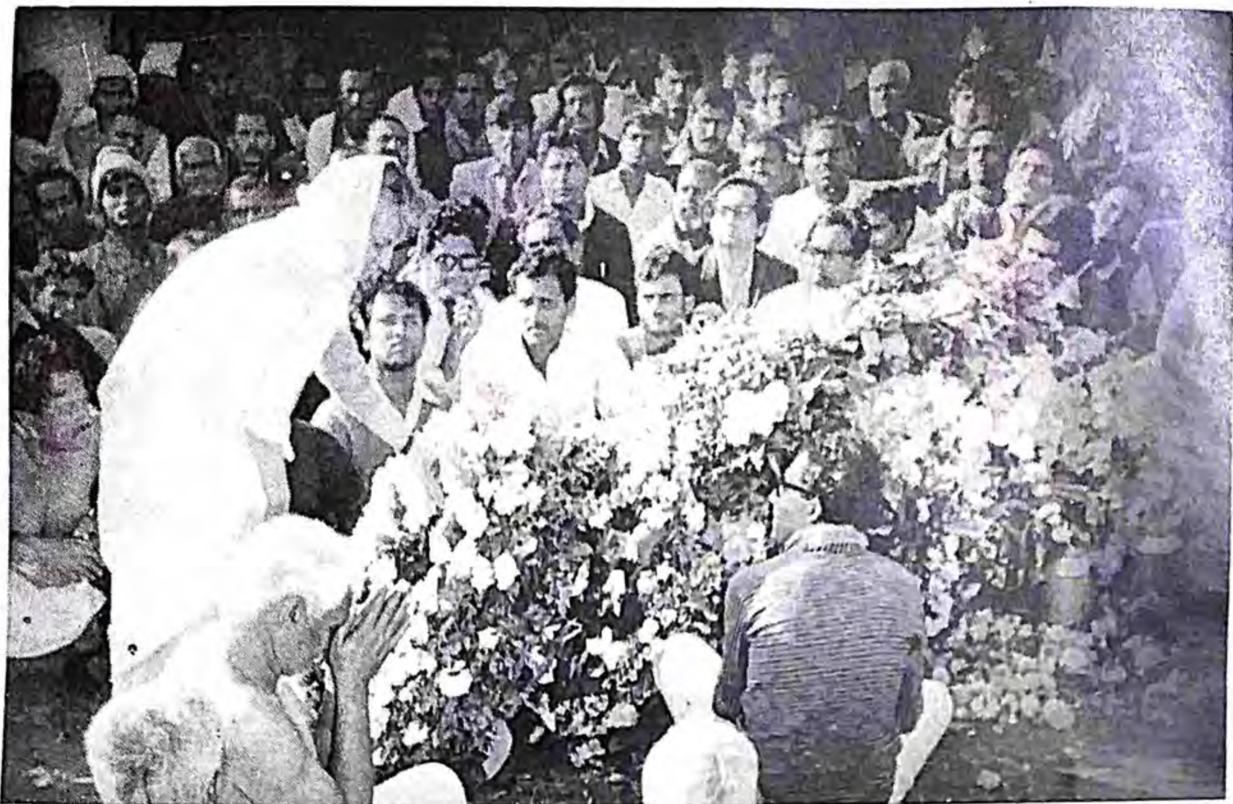
ललित बाबू के शव पर दहाड़ मार कर करुणक्रन्दन करती हुई उनकी धर्मपत्नी.

मुखाग्नि प्रदान करने का प्रस्तुत ललित बाबू के ज्येष्ठ पुत्र.



शव के समीप : ललित बाबू के ज्येष्ठ पुत्र श्री विजय कुमार मिश्र एवं शोक सन्तप्त सम्बन्धी.

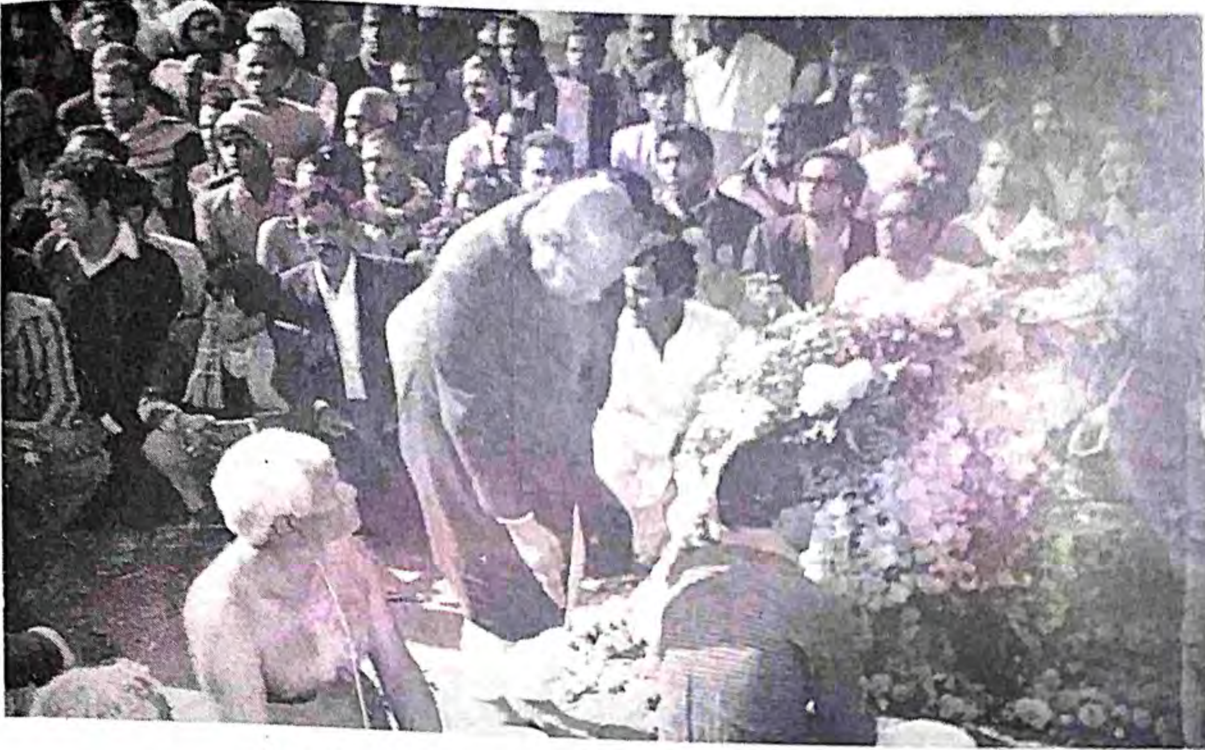




बलुआ बाजार में ललित बाबू के शव पर माल्यार्पण करती हुयीं प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी.

उपरोक्त अवसर पर प्रधान मंत्री ललित बाबू के छोटे भाई श्री श्यामनारायण मिश्र से कुछ पूछती हुई.





कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवकान्त बरुआ द्वारा शव का अन्तिम दर्शन एवं माल्यार्पण.

प्रधान मंत्री द्वारा शव का अन्तिम दर्शन एवं माल्यार्पण.





शवदाह के पूर्व की तैयारी.



शवदाह हेतु शव को चिता पर प्रतिष्ठित करते हुये.



श्राद्ध कर्म करते हुये ललित बाबू के ज्येष्ठ पुत्र श्री विजय कुमार मिश्र.



अस्थि-अवशेष प्रवाह : श्री केसरी जी फूल एवं अस्थि-अवशेष लिये हुये श्री रामचन्द्र भारद्वाज.



अस्थि-अवशेष प्रवाह : सर्वश्री सीताराम केसरी बिहार राज्य कांग्रेस अध्यक्ष, केदार पाण्डे भूतपूर्व मुख्य मंत्री बिहार, कुमुद रंजन, रामचन्द्र भारद्वाज, कमल नारायण मिश्र तथा जन समूह.

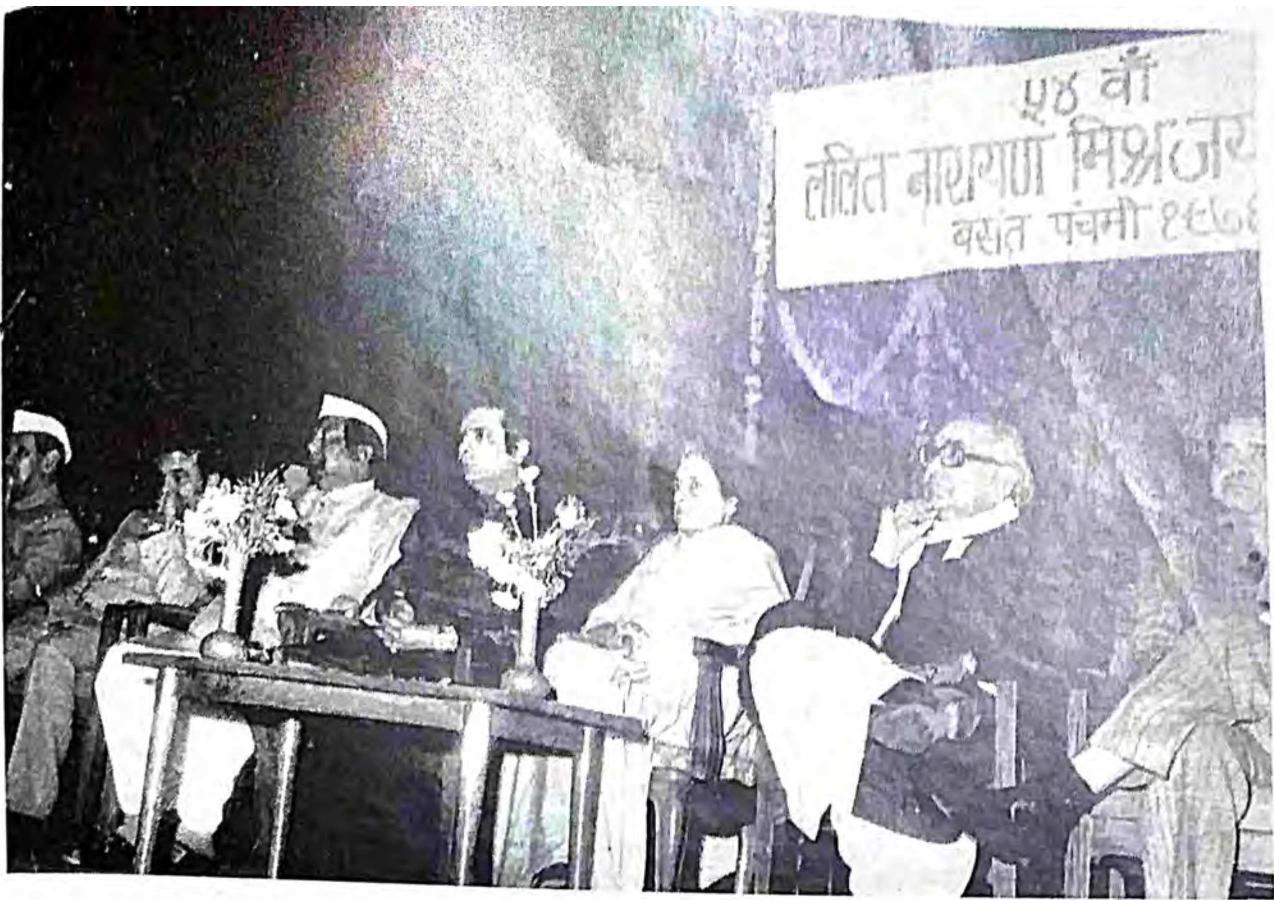


ललित बाबू का अंतिम जन्म दिवस समारोह 1974 : बलुआ बाजार निवास के सामने लान में बैठे हुये परम प्रसन्न मुद्रा में ललित बाबू.

उपरोक्त अवसर का एक अन्य चित्र : अपने निजी स्टाफ सहित रेल मंत्री ललित बाबू.
↓



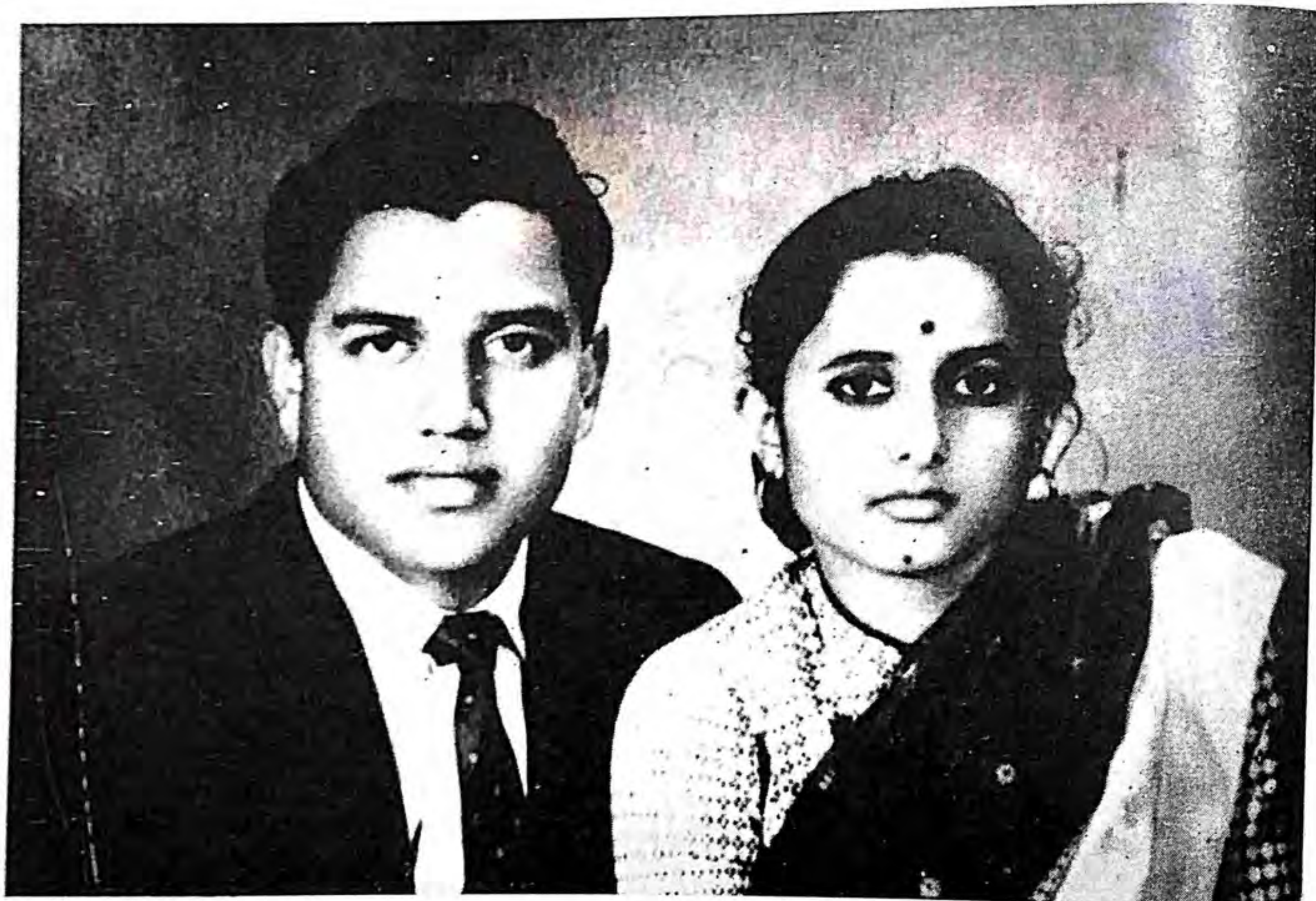




54वां ललित जयन्ती समारोह नयी दिल्ली 1976 : बांयें से संचार मन्त्री श्री शंकर दयाल शर्मा, उद्योग राज्य मन्त्री श्री बी० पी० मौर्य, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष श्री सीताराम केसरी, गृह राज्य मन्त्री श्री ओम मेहता, प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी, रेल मन्त्री पं० कमलापति त्रिपाठी, रसायन मन्त्री श्री प्रकाश चन्द्र सेठी आदि.

4 जनवरी 1977 को लाल किला दिल्ली में सम्पन्न ललित नारायण मिश्र शहीद दिवस में केन्द्रीय मन्त्री श्री के० डी० मालवीय श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये : बांयें से श्री अन्तुले जी कांग्रेस के महामन्त्री, श्री देवकान्त बरुआ कांग्रेस अध्यक्ष, श्री विद्याचरण शुक्ल सूचना प्रसारण मंत्री, श्री गाडगिल केन्द्रीय रक्षा उत्पादन मन्त्री.





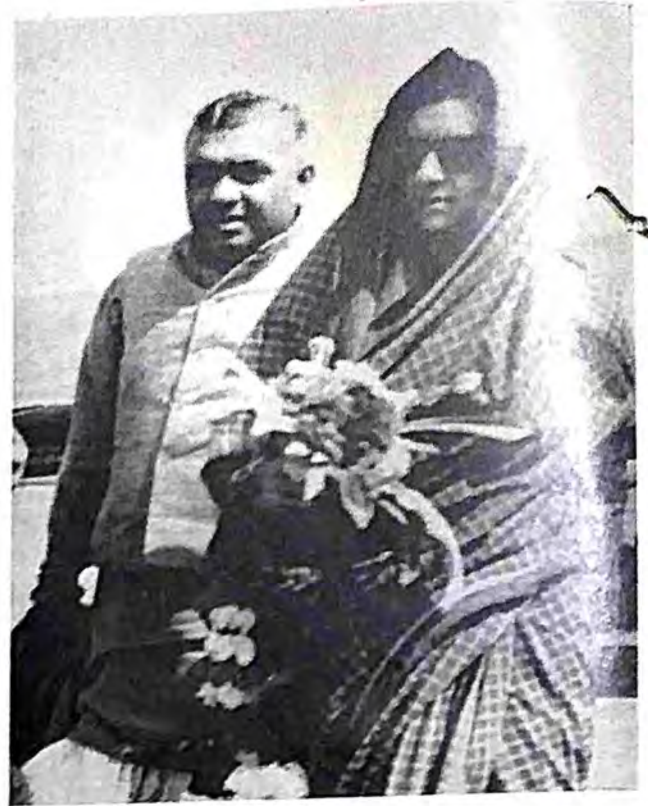
वज्रपात ! हा, श्रोझा जी नहीं रहे ! स्व० श्री चन्द्र शेखर झा (ललित बाबू के ज्येष्ठ जामाता) जिन्हें ललित बाबू अपने पुत्रों से भी बढ़कर प्यार करते थे एवं श्रीमती वीणा झा (सबसे बड़ी सन्तान)



दो पुराने साथी :
ललित बाबू एवं बिहार
राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष
श्री सीताराम केसरी.



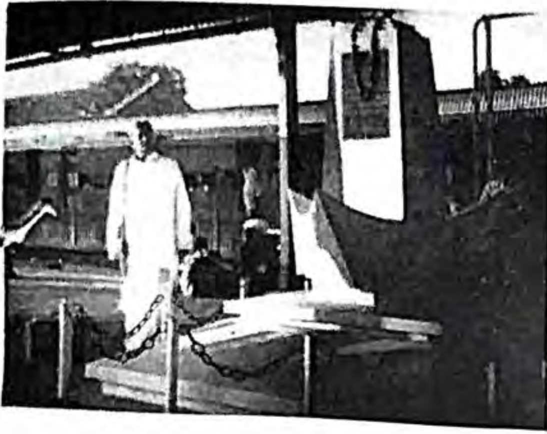
ललित बाबू की स्मृति
में : ललित नारायण
चिकित्सालय, बसान-
पट्टी, सहरसा का
शिलान्यास करते हुये
बिहार राज्य के मुख्य
मंत्री डा० जगन्नाथ मिश्र.



सौभाग्य शाली फारबिस गंज: तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मन्त्री श्रीमती इंदिरा गांधी का फारबिस गंज में प्रथम शुभागमन. साथ में ललित बाबू.

भारतीय युवा शक्ति के प्रतीक श्री संजय गांधी का फारबिस गंज में प्रथम शुभागमन. साथ में ललित बाबू के अनुज एवं बिहार के मुख्य मंत्री डा० जगन्नाथ मिश्र.





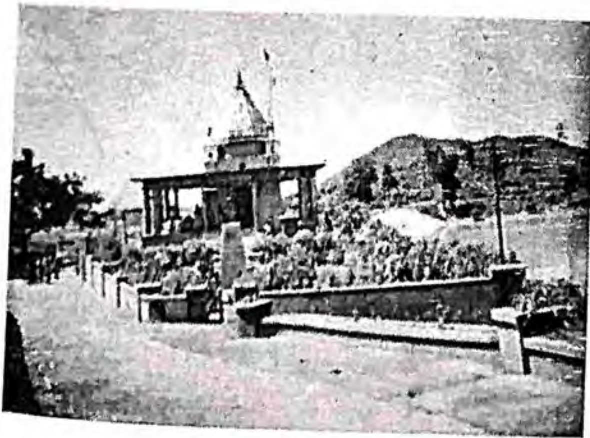
समस्तीपुर स्टेशन का अभागा प्लैटफार्म नं० 3 जहां बम विस्फोट हुआ था. वहीं ललित स्मृति स्तम्भ पर ललित चित्रावली के सम्पादक माल्यार्पण एवं मूक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए.



समस्तीपुर रेलवे मण्डलीय कार्यालय भवन में स्थापित ललित बाबू की आवक्ष कांस्य मूर्ति जिस पर माल्यार्पण एवं अभिवादन करते हुये ललित चित्रावली के सम्पादक.



मुंगेर जनपद के खड़गपुर झील नामक स्थान में स्थित ललितेश्वरनाथ शिव मन्दिर.



शिव मन्दिर के कम्पाउन्ड में प्रतिष्ठित की जाने वाली ललित बाबू की संगमरमर की आवक्ष मूर्ति का चित्र.

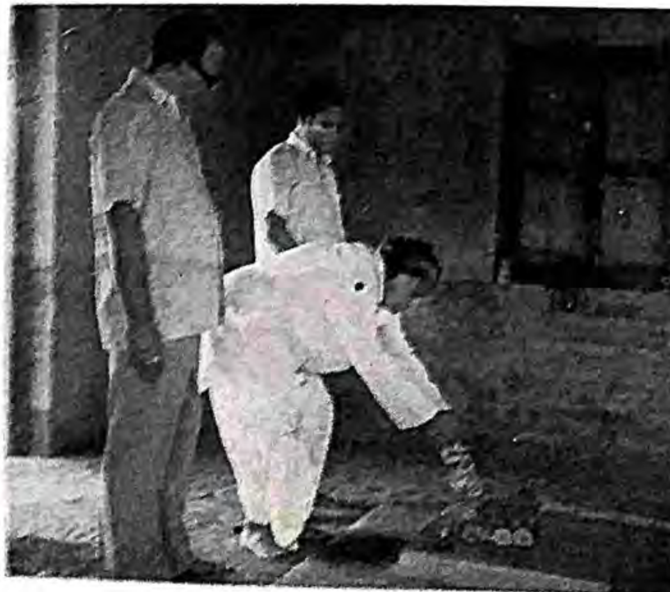




ललित बाबू के पैतृक ग्राम-बलुआ बाज़ार की मुख्य सड़क से फूट कर जाने वाली सड़क की मोड़पर स्थित मार्ग संकेत पट एवं विभिन्न स्मारकों की सूची.



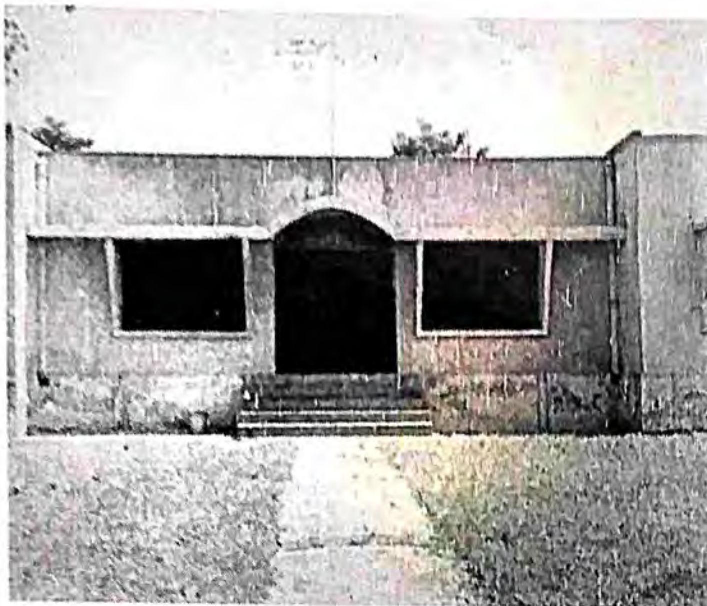
ललित बाबू के बलुआ बाज़ार - समाधि - स्थल पर निर्माणाधीन ललितेश्वर शिव मन्दिर.



ललित चित्रावली के सम्पादक ललित बाबू की समाधि पर माल्यार्पण करते हुए. साथ में : सर्व श्री डी० के० पाण्डेय एवं शिवशंकर मिश्र.



ललित बाबू का बलुआ बाजार स्थित गृह.



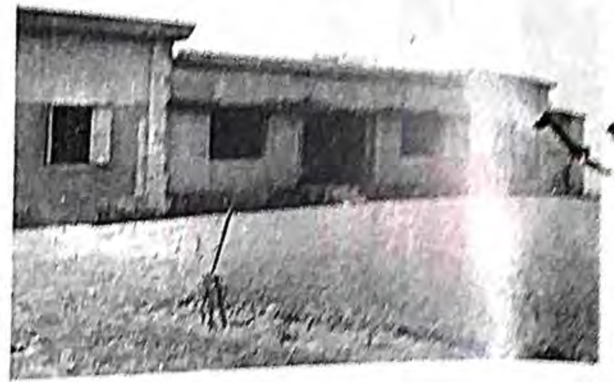
ललित बाबू की माता स्वर्गीया श्रीमती जमुना देवी की स्मृति में निर्मित जमुना दुर्गा मन्दिर जहां ललित बाबू प्रतिवर्ष दुर्गाजी का श्रद्धापूर्वक पूजन करते थे.



ललित बाबू के तृतीय भ्राता श्री श्याम नारायण मिश्र का निवास-स्थान.



ललित बाबू के सबसे छोटे भाई एवं बिहार के मुख्य मन्त्री डा० जगन्नाथ मिश्र का परिवार-गृह.



ललित बाबू के द्वितीय भ्राता श्री कमल नारायण मिश्र के मकान का एक दृश्य.



ललित स्मारक सरस्वती मन्दिर बलुआ बाजार.



सरस्वती मन्दिर के भीतरी भाग का एक दृश्य.





ललित समाधि, बलुआ बाजार.

शहीद दिवस 3 जनवरी 77 : ललित बाबू की समाधि पर माल्यार्पण हेतु उपस्थित (बांयें से ए० डी० सी० के सामने) बिहार के राज्यपाल महामहिम श्री जगन्नाथ कौशल एवं (दाहिने से प्रथम) श्री आर० पी० खन्ना, चीफ सेक्रेटरी, द्वितीय श्री श्यामनारायण मिश्र, तृतीय मुख्य मन्त्री बिहार, चौथे श्री रमेश झा आदि.





ललित निवास के सामने ललित स्मृति स्तम्भ.



ललित ग्राम रेलवे स्टेशन.



ललित नगर (वीरपुर) का ललित नारायण स्मारक महाविद्यालय.



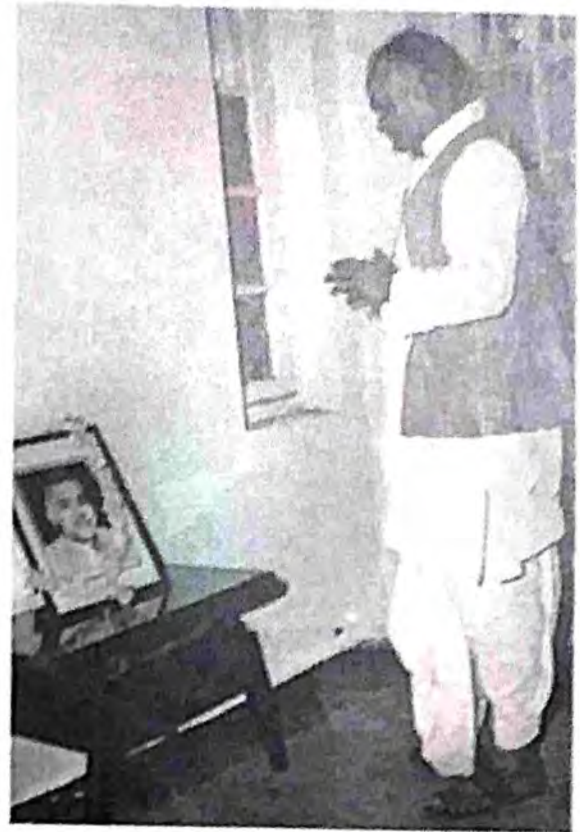
ललित नारायण होम फार होमलेस (रैन बसेरा) ललित नगर.

ललित नारायण चिकित्सालय ललित नगर.





बिहार राज्य के कल्याण, कारागार एवं पशुपालन मंत्री श्री रामरतनराम ललित बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुये.



माननीय श्री रामजयपाल सिंह यादव, भूमि सुधार एवं परि-वहन मन्त्री बिहार राज्य ललित बाबू की प्रतिमा के समक्ष अभिवादन करते हुये.



कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री मुहम्मद हुसेन आजाद ललित बाबू के प्रति मौन श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये.



ललित बाबू के जीवन का अन्तिम चुनाव दरभंगा क्षेत्र से : विजयोल्लास एवं अभिनन्दन.
←



गत 1972 में मिरजापुर रोड, दरभंगा में आयोजित समारोह : इसमें उन्हें पाग एवं उत्तरीय भेंट कर विशिष्ट मैथिली शैली में सम्मानित किया गया. उसी विशिष्ठ वेशभूषा में ललित बाबू.

चक्रधारी मिथिला कालेज, दरभंगा : यहीं ललित बाबू ने कुछ समय तक शिक्षा पायी.





गत 1972 में सी०एम० कालेज हाल, कामेश्वर भवन, दरभंगा में सम्पन्न विद्यापति पर्व समारोह ; प्रथम पंक्ति में (बांयें से) प्रथम डा० मदनेश्वर मिश्र द्वितीय ललित बाबू एवं पंचम श्री राधानन्दन झा, तद्कालीन मंत्री बिहार राज्य आदि.



उपरोक्त समारोह में ललित बाबू एवं डा० मदनेश्वर मिश्र दरभंगा के सम्मानित नेता स्व० श्री सूर्यनारायण झा से संकेत में कुछ बातें करते हुये. स्मरणीय है कि समस्तीपुर बम विस्फोट में आहत होकर श्री झा जी भी शहीद हो गये थे.



उपरोक्त समारोह में ललित बाबू श्रोताओं को सम्बोधित करते हुये.



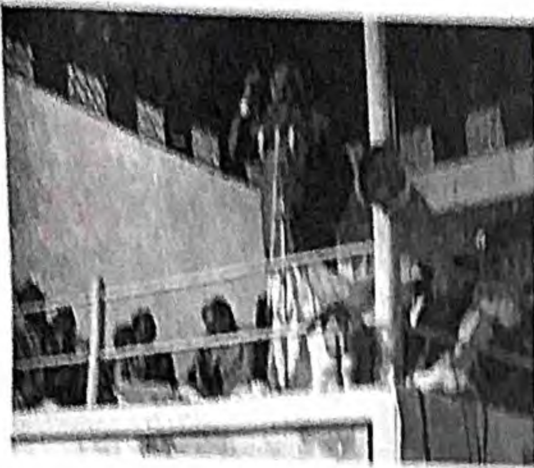
मिरजापुर रोड, दरभंगा स्थित सुप्रसिद्ध "मां म्लेच्छ मर्दिनी" का मन्दिर : मां की प्रतिमा जहां सर्वदा शीश झुकाने ललित बाबू उपस्थित होते रहे.



कामेश्वरी प्रिया पुअर होम, दरभंगा में मंच पर विराजमान ललित बाबू.



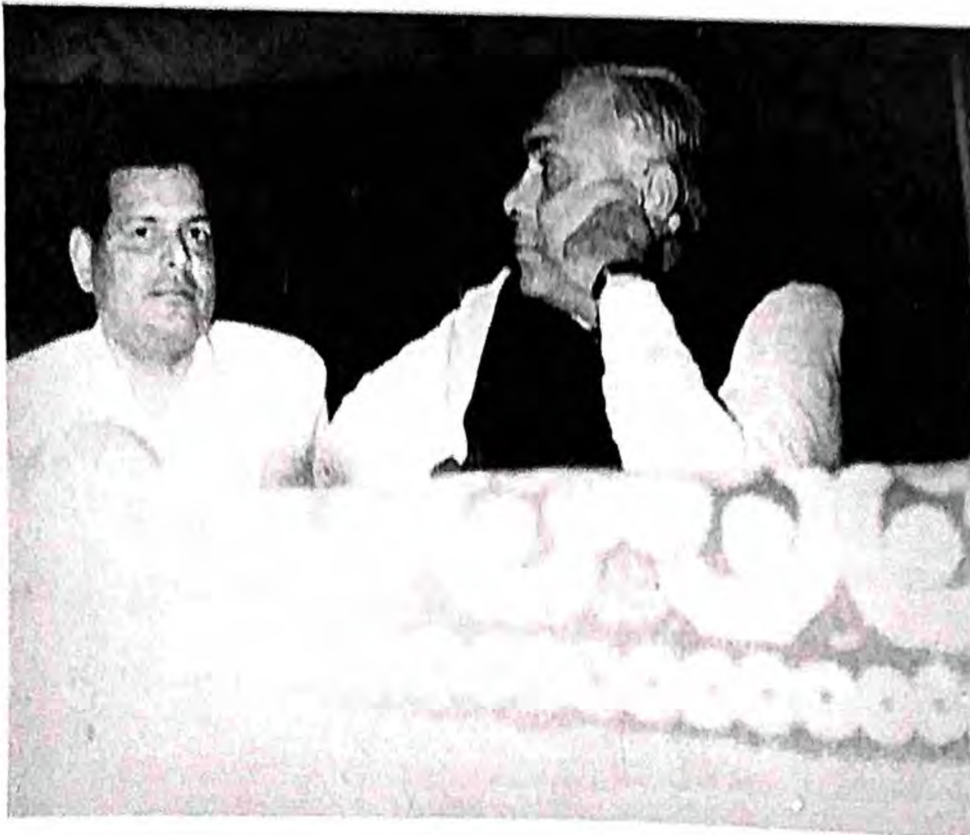
उपरोक्त समारोह में ललित बाबू भाषण करते हुये.



चौथी योजना अन्तर्गत पश्चिमी नहर समारोह, खोजपुर, दरभंगा में रेल मंत्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र उद्घाटन भाषण करते हुए



ललित बाबू के भाषण को सुनने के लिये उपस्थित अपार जनसमूह.

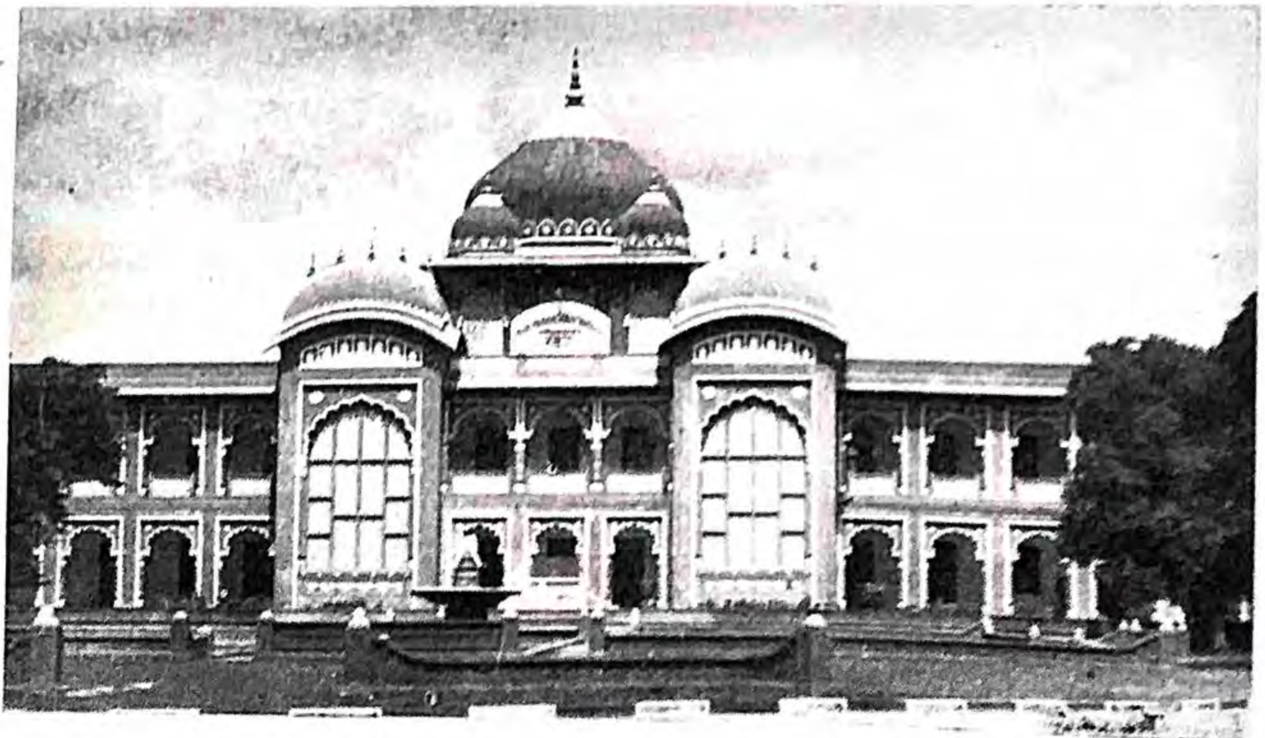


ललित बाबू के साथ उनके सहपाठी डा० मदनेश्वर मिश्र कुलपति ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा.

ललित बाबू की स्मृति में "ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा".



ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा का भव्य भवन.

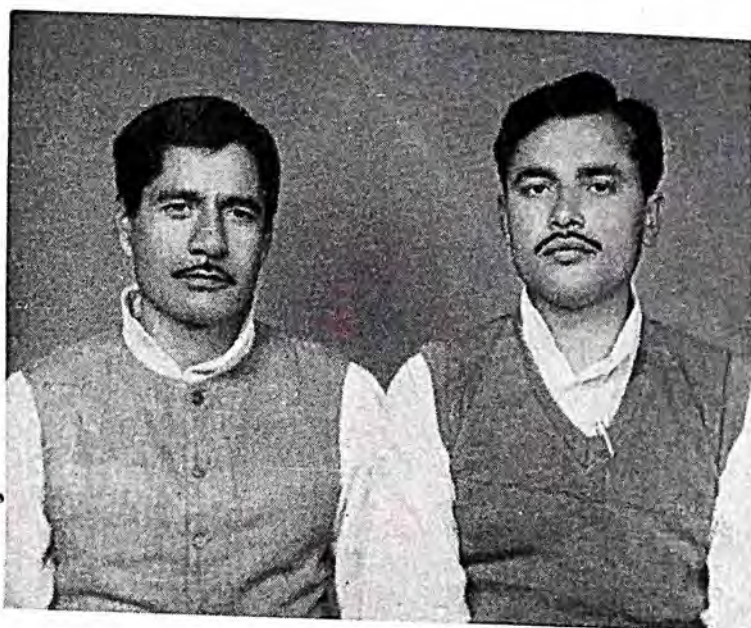




ललित बाबू के विशिष्ठ कर्म-क्षेत्र दरभंगा की जिला कांग्रेस कमेटी : (बांयें से) प्रथम उपाध्यक्ष श्री रामचरित्र सिंह, द्वितीय अध्यक्ष श्री नदवी साहब, तृतीय महामंत्री श्री हरिशचन्द्र झा एम० एल० सी०, (पीछे खड़े हैं) कांग्रेस कार्यालय के सचिव श्री केदार ठाकुर.



जिला कांग्रेस कमेटी भवन में उपस्थित जि० कांग्रेस के पदाधिकारी एवं युवक कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता.



(बांयें से) श्री नरसिंह चौधरी अध्यक्ष एवं श्री रामसरोवर पाण्डे महामंत्री जिला युवक कांग्रेस, दरभंगा.



दरभंगा में बागमती तट के सतिहारा घाट पर निर्मित ललित बाबू के पिता जी की समाधि.



ललित बाबू के पूज्य पिता जी की समाधि का एक अन्य चित्र.

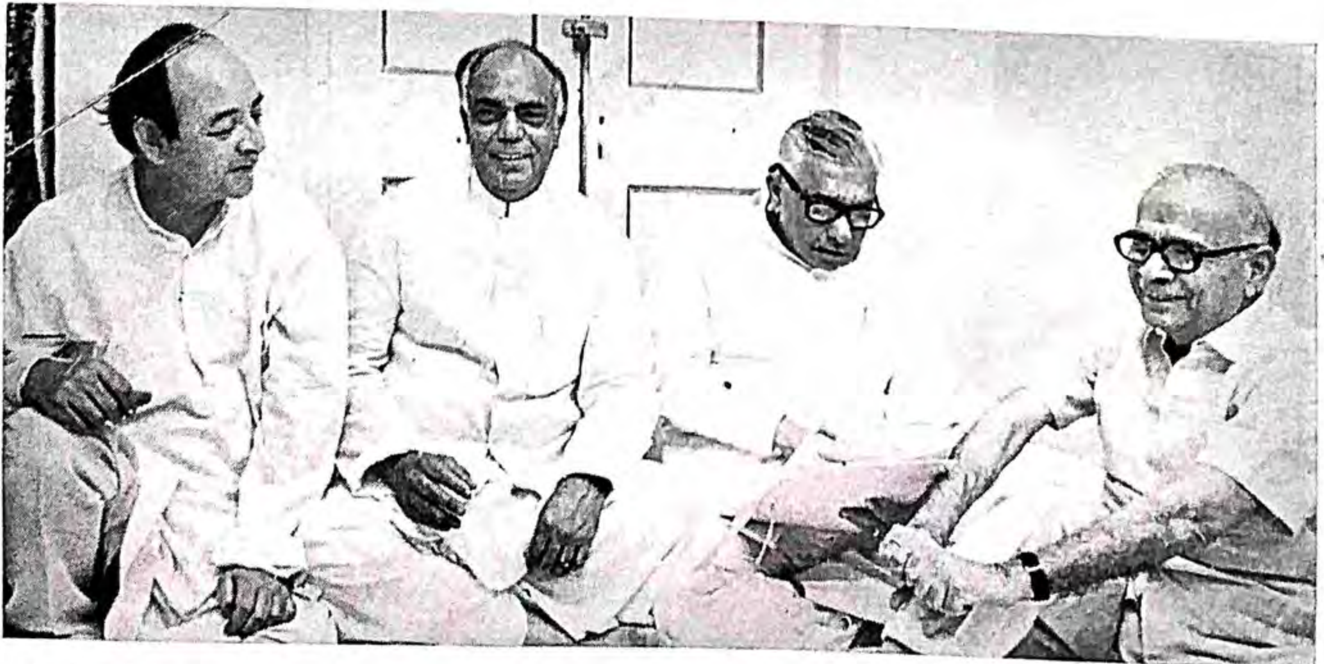


दरभंगा जिला परिषद के अध्यक्ष श्री महेन्द्र झा ललित बाबू की प्रतिमा का अभिवादन करते हुए.



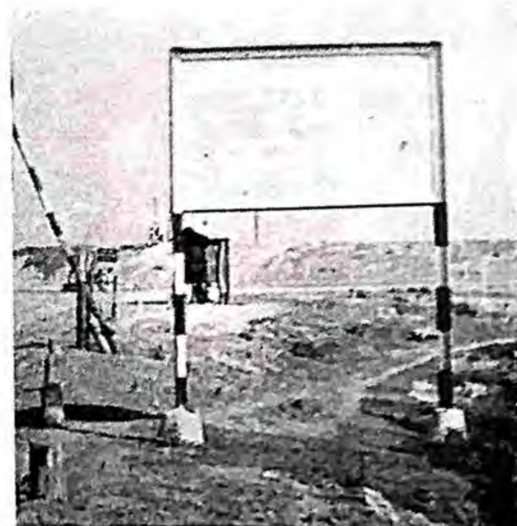
रक्षा उत्पादन मन्त्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र हवाई अड्डे पर. साथ में वांयें से दूसरे श्री ए० के० मिश्रा, सातवें श्री ओ०पी० गुप्ता, आठवें श्री वी०पी० गुप्ता.

रेल मन्त्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र (सदस्य) कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में भाग लेते हुये : साथ में वांयें से स्व० श्री डी०पी० धर, श्री देवराज उर्स तथा श्री के०डी० मालवीय.





ललितनगर (वीरपुर का परिवर्तित नाम).



ललित नारायण तटवन्ध, कोशी बांध, नेपाल.



ललित बाबू के समाधि स्थल पर निर्मित—शिव मन्दिर के समक्ष ललित चित्रावली के सम्पादक : वांयें श्री डी० के० पाण्डेय एवं दाहिने श्री शिवशंकर मिश्र.



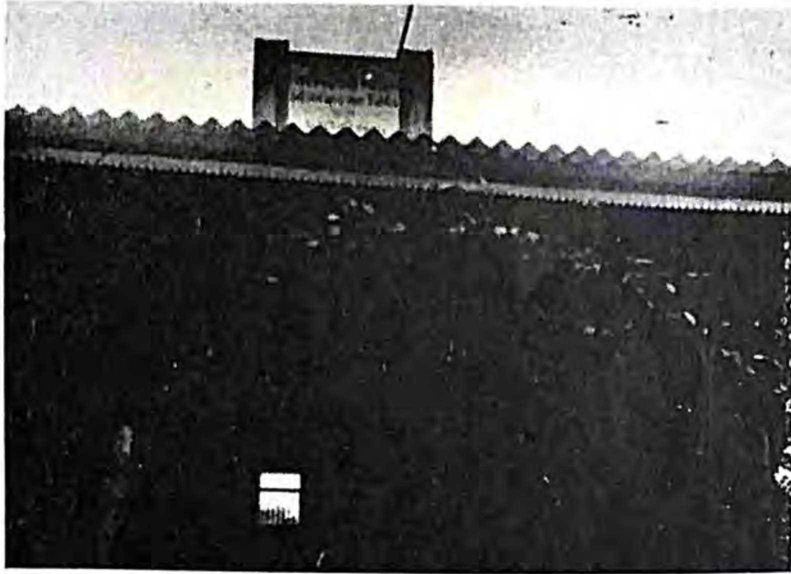
ललित बाबू की पावन स्मृति में स्थापित—ललित बाबू की आवक्ष प्रतिमा—झंझारपुर, मधुबनी (बिहार).

भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्री
श्री ललित नारायण मिश्र
द्वारा
जनता महाविद्यालय झंझारपुर
के
मुख्य भवन का शिलान्यास
८ फरवरी १९७१ ई.

विदेश व्यापार मन्त्री स्व० श्री ललित नारायण मिश्र द्वारा जनता महाविद्यालय झंझारपुर, मधुबनी के मुख्य भवन का शिलान्यास.



जनता महाविद्यालय, झंझारपुर मधुबनी (बिहार) का नामकरण ललित बाबू के नाम पर किया गया.



ललित बाबू द्वारा निर्मित परमेश्वरी मन्दिर ग्राम अन्धराठाढ़ी मधुबनी (बिहार)



ललित बाबू की स्मृति में निर्मित 'ललितेश्वर महादेव मन्दिर' ग्राम अन्धरा ठाढ़ी, मधुबनी (बिहार)



बलुग्रा बाजार विद्यालय : पोर्टिको में स्थापित ललित बाबू की प्रतिमा.



मुजफ्फरपुर हवाई अड्डे पर तत्कालीन गृह मन्त्री श्री उमाशंकर दीक्षित का स्वागत : बांये बिहार राज्य के भूतपूर्व मुख्य मन्त्री श्री केदार पाण्डे एवं दाहिने स्व० ललित बाबू.



श्रीकृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर के वाह्य उपचार विभाग भवन का शिलान्यास समारोह : मंच के मंडप में बैठे—प्रधान अतिथि श्री उमाशंकर दीक्षित, बांये स्व० श्री ललितनारायण मिश्र एवं दाहिने श्री कदार पान्डे तथा इनके बांये—श्री चन्द्रमणिलाल चौधरी एम०पी०



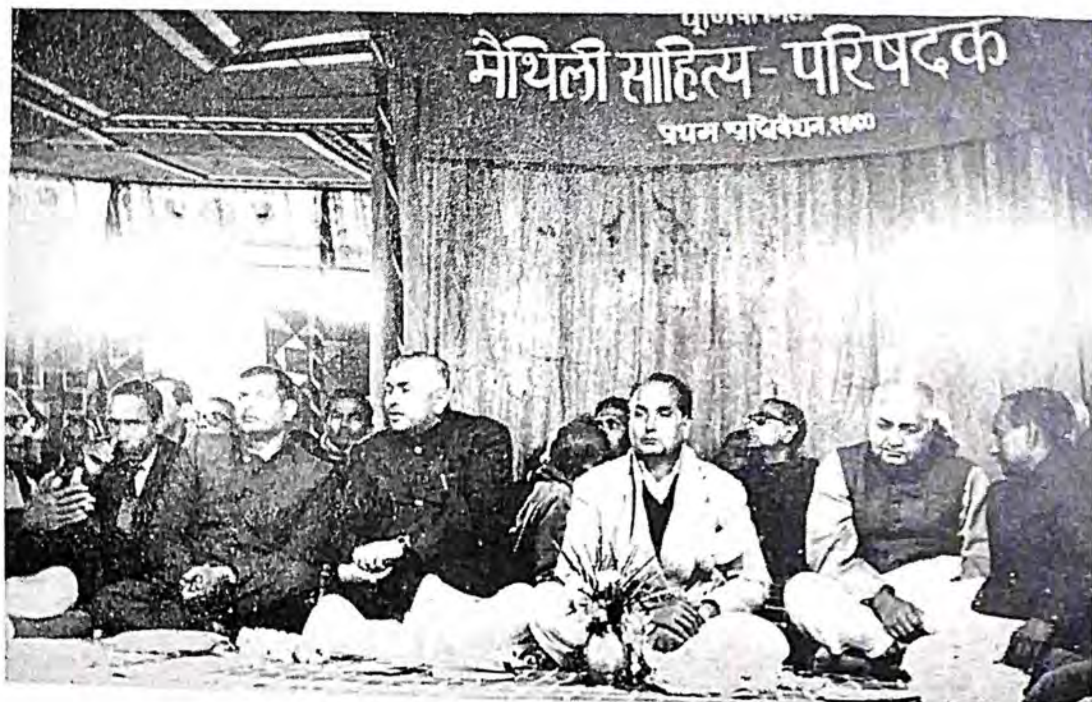
समारोह के प्रारम्भ में : ललित बाबू स्वागत भाषण करते हुये.



1976 : मुजफ्फरपुर के ललित नारायण कालेज ग्राफ बिजनेस मैनेजमेन्ट के द्वितीय संस्थापन दिवस समारोह के अवसर पर विहार के मुख्यमंत्री डा० जगन्नाथ मिश्र द्वारा ललितबाबू के चित्र का अनावरण एवं माल्यार्पण.



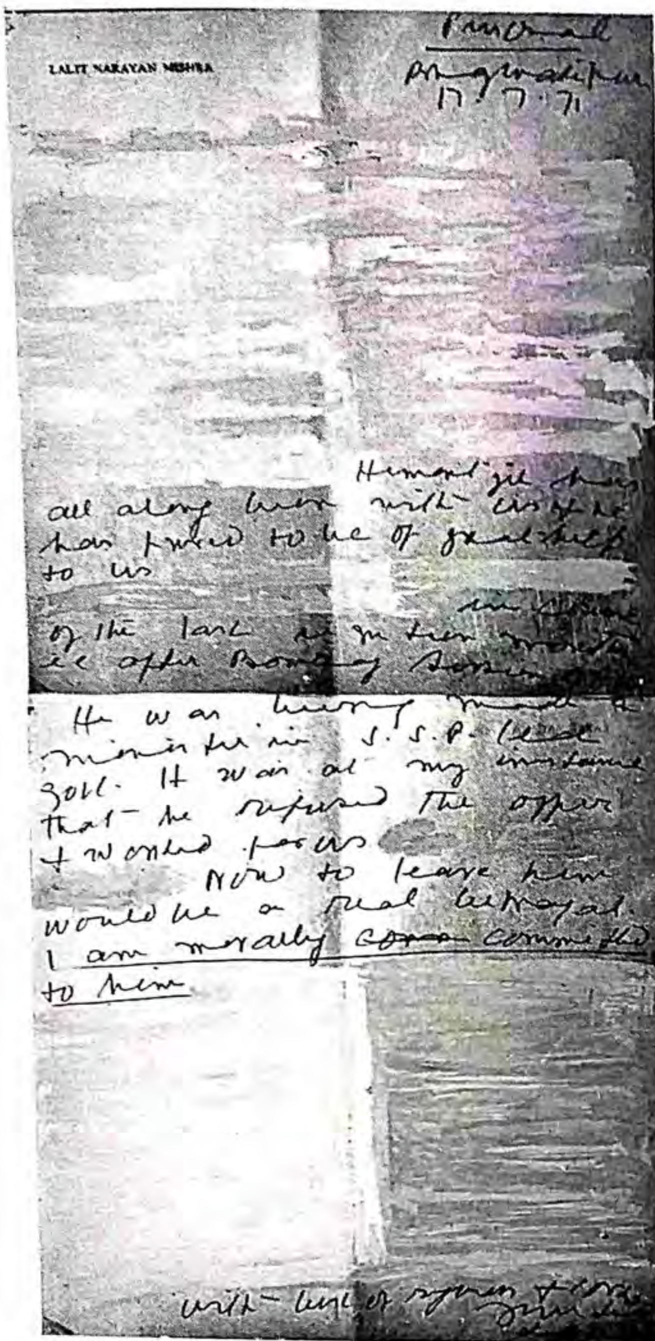
1975 : प्रथम संस्थापन दिवस पर ललित बाबू की प्रतिमा के सामनेखड़े होकर मौन श्रद्धांजलि ग्रर्पित करते हुये वांयें से प्रथम संस्थान के मंत्री श्री महेन्द्र मोहन मिश्र एम० पी०, द्वितीय बिहार राज्य के शिक्षा मन्त्री डा० रामराज सिंह, तृतीय श्री जव्वार हुसेन एम० पी० तथा श्री ए० सी० दास गुप्ता.



पूणिया में सम्पन्न मैथिली साहित्य परिषद का प्रथम अधिवेशन 1970 स्व० ललित बाबू (दाहिने किनारे से) प्रथम श्री कमलनाथ झा एम० पी०, द्वितीय स्व० श्री लक्ष्मी नारायण 'सुधांशु' : बांयें से प्रथम श्री शुभंकर झा एवं डा० मदनेश्वर मिश्र.

(बांयें से) प्रथम मुख पृष्ठ के कलाकार श्री दयाशंकर शुक्ल, द्वितीय सम्पादक श्री रामप्रताप दुबे, तृतीय डा० लक्ष्मी शंकर द्विवेदी (मान्ट्रियल), चतुर्थ श्री शशि भूषण.





Personal
17.7.71

LALIT NARAYAN MISHRA

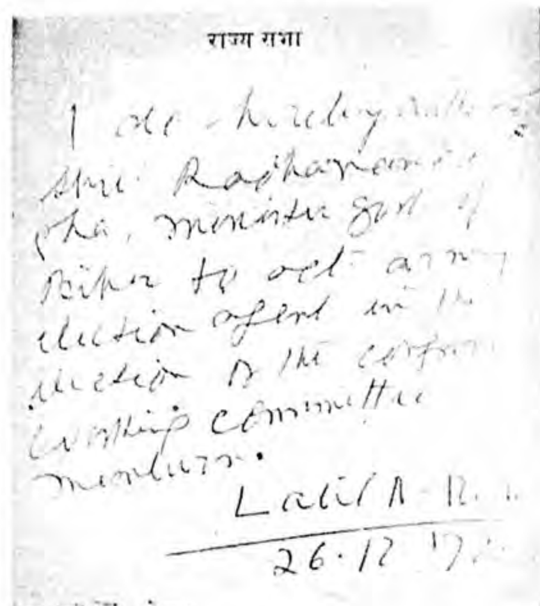
Hemant ji has all along been with us & he has proved to be of great help to us

[illegible] of the last [illegible]

He was [illegible] minister in S.S.P. led govt. It was at my instance that he refused the offer & worked for us.
Now to leave him would be a real betrayal. I am morally committed to him.

with kind regards [illegible]

ललित बाबू की अंग्रेजी लिखावट के दो नमूने.



राज्य सभा

I do hereby authorise Shri Radhanandan Jha, Minister Govt of Bihar to act as my election agent in the election to the Congress Working Committee membership.

Lalit N. M.
26.12.7

ललित बाबू की स्मृति में : डाक टिकट का चित्र.

